website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 252 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 20 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत-चीन संबंधों पर पीएम मोदी और वांग यी की अहम मुलाकात

-तियानजिन में शी जिनपिंग से मिलने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-चीन सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीमा विवाद का समाधान निष्पक्ष, तर्कसंगत और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वांग यी के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर खुशी हुई। पिछले साल कजान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मेरी मुलाकात के बाद से भारत-चीन संबंध आपसी हितों और संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़े हैं। मैं एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान तियानजिन में हमारी अगली मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं।

भारत और चीन के बीच स्थिर, विश्वसनीय और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि में अहम योगदान देंगे।"

प्रधानमंत्री ने कजान में शी जिनपिंग के साथ हुई पिछली मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि तब से दोनों देशों के रिश्तों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने इस दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली को भी अहम उपलब्धि बताया। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल होने की सहमति दी। उन्होंने चीन की एससीओ अध्यक्षता का समर्थन करते हुए कहा कि वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से तियानजिन में होने वाली मुलाकात को लेकर उत्सुक हैं। गौरतलब है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी बीते सोमवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे।

मुंबई में भारी बारिश से हवाई सफर प्रभावित

-इंडिगो ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में हो रही बारिश ने आम जनजीवन के साथ-साथ हवाई सेवाओं को भी प्रभावित कर दिया है। इसी बीच देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है।

हवाई अड्डे तक जाने वाले कई मार्गों पर जलभराव और ट्रैफिक जाम

इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मुंबई में हो रही भारी बारिश के कारण हवाई अड्डे तक जाने वाले कई मार्गों पर जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। इसका असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है, जिससे कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी हो रही है।

एयरलाइन ने यात्रियों से की अपील

एयरलाइन ने यात्रियों से अपील करते हुए कहा है कि यदि वे यात्रा के लिए निकल रहे हैं तो सामान्य समय से थोड़ा जल्दी एयरपोर्ट के लिए रवाना हों और अपने फ्लाइट की ताजा स्थिति इंडिगो के मोबाइल ऐप या वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

इंडिगो ने कहा, "हमारी टीमें हालात पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं और ऑपरेशंस को सुचारु रखने के लिए लगातार काम कर रही हैं। यात्रियों की सुरक्षा, आराम और शांति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस असुविधा के लिए हमें खेद है और हम आपके धैर्य व सहयोग की सराहना करते हैं।"

मुंबई में बीते कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे सड़क यातायात और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अब इसका सीधा असर हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिल रहा है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे समय रहते एयरपोर्ट पहुंचें और अपनी उड़ान की स्थिति को लेकर अपडेट रहें, ताकि किसी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी संभव है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी वर्षा जारी रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 21 अगस्त तक मध्य महाराष्ट्र के कोंकण और आसपास के घाट क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा, जबकि कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ व्यापक वर्षा हो सकती है।

विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश सेवा (2024 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की है। यह मुलाकात मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में हुई। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने अधिकारियों को भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने के लिए बधाई दी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अनुरोध करते हुए कहा कि आप हमारे सभ्यतागत ज्ञान के मूल्यों (शांति, बहुलवाद, अहिंसा और संवाद) को अपने साथ लेकर चलें। साथ ही, अपने सामने आने वाली हर संस्कृति के विचारों, लोगों और दृष्टिकोणों के प्रति खुले रहें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने सामने आने वाली हर संस्कृति के विचारों, लोगों और दृष्टिकोणों के प्रति खुला रहना चाहिए।

मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने कहा, "आसपास की दुनिया भू-राजनीतिक बदलावों, डिजिटल क्रांति, जलवायु परिवर्तन और विवादित बहुपक्षवाद के संदर्भ में तेजी से बदलाव देख रही है। युवा अधिकारियों के रूप में आपकी चपलता और अनुकूलनशीलता हमारी सफलता की कुंजी होगी।"

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच असमानता से उत्पन्न समस्याएं हों, सीमापार आतंकवाद का खतरा हो या जलवायु परिवर्तन के निहितार्थ हों, भारत विश्व की प्रमुख चुनौतियों के समाधान का एक अनिवार्य हिस्सा है। भारत न सिर्फ विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि एक निरंतर उभरती हुई आर्थिक शक्ति भी है। हमारी आवाज का महत्व है। उन्होंने आगे कहा कि राजनयिकों के रूप में, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी भारत का पहला चेहरा होंगे जिसे दुनिया उनके शब्दों, कार्यों और मूल्यों में देखेगी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने आगे कहा कि आज के समय में सांस्कृतिक कूटनीति के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हृदय और आत्मा से बने संबंध हमेशा मजबूत होते हैं। चाहे वह योग हो, आयुर्वेद हो, श्रीअन्न हों या भारत की संगीत, कलात्मक, भाषाई और आध्यात्मिक परंपराएं हों, अधिक रचनात्मक और महत्वाकांक्षी प्रयास इस विशाल विरासत को विदेशों में प्रदर्शित और प्रचारित करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे कूटनीतिक प्रयास हमारी घरेलू आवश्यकताओं और 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे उद्देश्य के साथ निकटता से जुड़े होने चाहिए। राष्ट्रपति ने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वयं को न सिर्फ भारत के हितों का संरक्षक समझें, बल्कि उसकी आत्मा का राजदूत भी समझें।

दिल्ली के लिए अगले 72 घंटे अहम, यमुना किनारे बसे इलाकों में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज से बीते 16 और 18 अगस्त को कुल 2.40 लाख से अधिक क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे अगले 72 घंटों में दिल्ली पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले पूरे हफ्ते एनसीआर के अधिकांश इलाकों में कभी हल्की रिमझिम तो कभी मध्यम बारिश का दौर चलता रहेगा।

हथिनीकुंड बैराज से 16 अगस्त को 1.78 लाख क्यूसेक पानी यमुना नदी में छोड़ा गया, जबकि 18 अगस्त को और करीब 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसका असर अगले 72 घंटे में दिल्ली में दिखाई दे सकता है। इस स्थिति में यमुना किनारे बसे इलाकों में बाढ़ के हालात बन सकते हैं।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा हुआ है

फिलहाल, दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा हुआ है। मंगलवार सुबह 8 बजे दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर 205.85 मीटर दर्ज किया गया, जो निकासी के लिए निर्धारित 206 मीटर के निशान से थोड़ा कम है। सोमवार दोपहर तक, नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.55 मीटर तक पहुंच गई थी और तब से लगातार बढ़ रही है। जलस्तर बढ़ने के बाद अधिकारियों ने ओखला बैराज के सभी गेट खोल दिए हैं।

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली के यमुना बाजार और आसपास के इलाकों में पानी घुसने लगा है, जिससे निवासियों को अपने घर छोड़कर अस्थायी तंबुओं या छतों पर शरण लेनी पड़ रही है। एक स्थानीय निवासी अनिरुद्ध ने न्यूज़ एजेंसी से बातचीत में कहा कि सोमवार दोपहर से पानी जमा हो गया है, जिससे काफी मुश्किलें हो रही हैं और सामान छत पर ले जाया गया है। देव प्रकाश पांडे ने कहा कि हमें बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बहुत सी चीजें, हमारा सामान, सब कुछ बर्बाद हो गया है। हमें छतों पर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। हमें खाना नहीं मिल रहा है।

दिल्ली में सिंचाई विभाग और प्रशासन अलर्ट मोड पर

हालांकि, बाढ़ के खतरे को देखते हुए दिल्ली में सिंचाई विभाग और प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। वहीं, यमुना किनारे बसे इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, "स्थिति नियंत्रण में है। जलस्तर सुबह 206 को छूने वाला था तब पानी यहां तक आया है लेकिन इससे अधिक पानी नहीं आया ये अच्छा है। मैंने नियंत्रण कक्ष में भी देखा है। पानी जैसे आ रहा है वैसे ही आगे निकल रहा है। पानी रुकने जैसा कुछ नहीं है। ये सबसे निचला इलाका है। ये यमुना बाढ़ क्षेत्र का इलाका है जहां मकान बसे हुए हैं। हमने निवेदन किया था लोग घरों को खाली कर दें लेकिन ये शिफ्ट नहीं हुए। अभी बस बिजली बंद होने की दिक्कत है। मुझे लगता है कि पानी आज कल में उतर जाएगा।

एनसीआर में पूरे सप्ताह रहेगा बरसात का दौर

वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इस सप्ताह लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। सप्ताह के आखिर तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा और तेज बारिश व गरज-चमक की गतिविधियों की संभावना जताई गई है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 19 अगस्त को एनसीआर में हल्की बूंदाबांदी और छिटपुट बारिश देखने को मिलेगी। इसके बाद 20 और 21 अगस्त को कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। तापमान सामान्य से कुछ कम रहा और अधिकतम पारा 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। 22 और 23 अगस्त को आसमान में बादल छाए रहने और मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

24 और 25 अगस्त को एनसीआर में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की आशंका

इस दौरान न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान करीब 31 से 32 डिग्री तक रह सकता है। हवा में नमी का स्तर 95 प्रतिशत तक पहुंचने से उमस भी बनी रहेगी। सप्ताह के अंतिम दिनों यानी 24 और 25 अगस्त को एनसीआर में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि इन दो दिनों में बारिश का असर ज्यादा रहेगा और कई जगहों पर भारी बारिश जैसी स्थिति भी बन सकती है। आईएमडी ने बताया कि फिलहाल किसी तरह की मौसम संबंधी चेतावनी नहीं है, लेकिन बारिश के दौरान लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

यात्रा के दौरान वाहन चालकों को सावधानी बरतने और जलभराव वाले क्षेत्रों से बचने की अपील की गई है। बारिश के चलते जहां तापमान सामान्य से नीचे बना रहेगा, वहीं लोगों को उमस और भारी ट्रैफिक जाम जैसी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ सकता है।

भारत-चीन ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति- राजदूत शू फिहोंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस मुलाकात के बाद भारत में चीन के राजदूत शू फिहोंग ने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की गति बनाए रखने पर सहमति जताई है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की। इससे पहले सोमवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत की यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे और उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन और भारत, 2.8 अरब से अधिक संयुक्त जनसंख्या वाले दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देश हैं और उन्हें वैश्विक उत्तरदायित्व की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को प्रमुख शक्तियों के रूप में कार्य करते हुए विकासशील देशों के लिए एकता के माध्यम से शक्ति प्राप्त करने का उदाहरण स्थापित करना चाहिए। साथ ही, विश्व बहुध्रुवीकरण और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लोकतंत्रीकरण को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। वांग यी ने आगे कहा कि दोनों पक्षों को सही रणनीतिक धारणाओं को अपनाना चाहिए और एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी या खतरे के रूप में देखने के बजाय साझेदार और अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन को विकास एवं पुनरुद्धार में अपने बहुमूल्य संसाधनों का निवेश करना चाहिए और पड़ोसी प्रमुख देशों के रूप में आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित सह-अस्तित्व, साझा विकास और परस्पर सहयोग को मजबूत करने के रास्ते तलाशने चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चीन "मैत्री, ईमानदारी, पारस्परिक लाभ और समावेशिता" के सिद्धांतों पर कायम है और भारत सहित अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध, सुंदर और मैत्रीपूर्ण घर बनाने के लिए तैयार है। वांग यी ने कहा कि चीन और भारत को आत्मविश्वास के साथ एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, बाधाओं को दूर करना चाहिए और सहयोग का विस्तार करना चाहिए। वांग यी ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की गति को सुदृढ़ करना चाहिए ताकि भारत और चीन जैसी दो महान पूर्वी सभ्यताओं के पुनरोद्धार की प्रक्रियाएं एक-दूसरे के लिए लाभकारी साबित हों। उन्होंने कहा कि इससे न केवल एशिया, बल्कि पूरे विश्व को स्थिरता और निश्चितता मिलेगी।

अमरनाथ यात्रा 2025 बनी देश की पहली जीरो-वेस्ट और प्लास्टिक-फ्री तीर्थयात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल की अमरनाथ यात्रा पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बन गई। जम्मू-कश्मीर प्रशासन और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के प्रयासों से तीर्थयात्रा पूरी तरह जीरो-लैंडफिल और प्लास्टिक-फ्री रही। करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने इस पवित्र यात्रा में हिस्सा लिया और स्वच्छता अभियान को सफल बनाया।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के दौरान रोजाना करीब 11.67 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न हुआ, जिसे पूरी तरह से कम्पोस्टिंग और रीसाइक्लिंग के जरिए निपटाया गया। इसके लिए 1,016 ट्विन-बिन स्टेशन, 65 कचरा संग्रहण वाहन और लगभग 1,300 सफाईमित्रों की तैनाती की गई थी। इनकी मदद से लंगर स्थलों, आवास केंद्रों और यात्रा कैंपों में लगातार साफ-सफाई बनाए रखी गई।

वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रास्ते में 1,600 से ज्यादा मोबाइल टॉयलेट लगाए गए, जिनमें क्यूआर-कोड आधारित फीडबैक सिस्टम भी था। इन टॉयलेट्स पर 20,000 से अधिक यात्रियों ने अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा से उत्पन्न सभी मल-कीचड़ का निपटारा निर्धारित ट्रीटमेंट प्लांट्स में किया गया।

प्लास्टिक पर रोक लगाने के लिए लंगरों ने पूरी तरह सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया गया था। इस दौरान 15,000 से ज्यादा कपड़े और जूट के बैग बांटे गए। साथ ही "प्लास्टिक लाओ, थैला ले जाओ" और "बिन इट, विन इट" जैसी पहल से यात्रियों को कचरा अलग करने और जिम्मेदारी से फेंकने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अलावा "ग्रीन प्लेज" अभियान भी चलाया गया, जिसमें 70,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इन सभी ने यात्रा के दौरान और भविष्य में भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने का संकल्प लिया।

मुंबई में बारिश से बुरे हाल, बीएमसी ने घोषित की छुट्टी

-निजी कार्यालयों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में भारी बारिश के मद्देनजर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने घोषणा की है कि मुंबई शहर और उपनगरों में स्थित सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। भारी बारिश के कारण बीएमसी ने कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह दी है।

भारतीय मौसम विभाग ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र (मुंबई शहर और उपनगर) के लिए भारी वर्षा को लेकर 'रेड अलर्ट' जारी किया है। एक बयान में कहा गया, "वर्तमान में मुंबई में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के रूप में कार्य करते हुए बीएमसी ने आवश्यक सेवाओं को छोड़कर क्षेत्र के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और बीएमसी कार्यालयों में मंगलवार को अवकाश घोषित किया है।"

बीएमसी ने मुंबई महानगरीय क्षेत्र के सभी निजी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों को तत्काल 'वर्क-फ्रॉम-होम' की सुविधा दें और कार्य की प्रकृति के अनुसार अनावश्यक यात्रा से बचने के निर्देश जारी करें।

इसी तरह, नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर ने लोगों से भारी बारिश की संभावना के चलते सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने और जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है।

पुलिस कमिश्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सुप्रभात मुंबई! चूंकि मंगलवार को भारी बारिश की चेतावनी है, मुझे उम्मीद है कि आप सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहे होंगे। सिर्फ जरूरी होने पर ही बाहर जाएं, उच्च ज्वार के दौरान समुद्र तट पर जाने से बचें और याद रखें कि हम किसी भी आपात स्थिति में आपकी मदद के लिए मौजूद हैं। निजी कंपनियों से अनुरोध है कि वे ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' करने की सुविधा दें। अपना ध्यान रखें, सुरक्षित रहें।"

वहीं, महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण कुछ लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार और सोमवार को राज्य के सभी हिस्सों में बारिश हुई और अगले दो दिनों तक मुंबई में भी इसी तीव्रता से बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने 21 अगस्त तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने मंगलवार को मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है और लोगों से अपील की है कि वे ज़रूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें।

ओडिशा 2036 तक बनेगा विकसित राज्य- उपमुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है, वहीं ओडिशा अपने गठन के 100 वर्ष पूरे होने पर यानी 2036 तक ही विकसित राज्य बन जाएगा। मुंबई के ताज महल पैलेस में आयोजित सीआईआई ईस्ट इंडिया समिट 2025 में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से औद्योगीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ओडिशा पर्यटन, एग्री-फूड प्रोसेसिंग, स्टील, ऊर्जा, कोयला, थर्मल पावर और सोलर सेक्टर सहित पंप व बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट्स पर निवेश आकर्षित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में हम नई दिशा देना चाहते हैं, जहां उर्वरकों का कम इस्तेमाल हो और एग्रो-इंडस्ट्रीज तथा एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि रक्षा उत्पादन की दिशा में भी राज्य कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने उदाहरण दिया कि हाल ही के ऑपरेशन सिंदूर में जिन ड्रोन का इस्तेमाल हुआ, वे ओडिशा के कुछ युवाओं द्वारा बनाए गए थे जो एक स्टार्ट-अप चला रहे थे। कनक वर्धन सिंह देव ने कहा कि ओडिशा की औद्योगिक यात्रा देश के सबसे इंडस्ट्री-फ्रेंडली एनर्जी ट्रैफिक और नीतियों की वजह से तेजी से आगे बढ़ रही है। शुल्क रियायतों और विश्वसनीय बिजली की उपलब्धता ने राज्य को उद्योगों के लिए एक नए हब के रूप में स्थापित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि इस समिट में विचारकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं ने पूर्वी भारत के विकास के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर ओडिशा की आकांक्षाओं को साझा करना गर्व की बात है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्यवस्था: मेहनतकश युवाओं के सपनों से खिलवाड़

सरकारी नौकरी की चाह रखने वाली युवा पीढ़ी हर साल बड़ी उम्मीदों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होती है। उनके लिए यह केवल नौकरी पाने का साधन नहीं, बल्कि जीवनभर की मेहनत, संघर्ष और परिवार की आशाओं का परिणाम होता है। लेकिन जब इन परीक्षाओं में अव्यवस्थाएं सामने आती हैं, तो उनकी मेहनत और विश्वास दोनों पर गहरी चोट पहुंचती है। हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित इंस्पेक्टर लेवल की एसएससी परीक्षा फेज-13 इसी कुप्रबंधन का उदाहरण बन गई। इस परीक्षा में लगभग साढ़े पांच लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था, लेकिन 55 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को ऐसी तकनीकी और प्रबंधन संबंधी परेशानियों से गुजरना पड़ा कि उनकी तैयारी और मेहनत बेकार चली गई। परीक्षा के दौरान कई परीक्षा केंद्रों पर सर्वर क्रैश हो गया, तो कहीं सिस्टम फ्रीज हो गए। हालत यह रही कि कंप्यूटर पर माउस और की-बोर्ड तक ने काम करना बंद कर दिया। जिस परीक्षा को तकनीकी संसाधनों और आधुनिक साधनों के जरिए अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने का दावा किया जाता है, वही तकनीक परीक्षार्थियों की सबसे बड़ी मुसीबत बन गई। कई छात्रों को परीक्षा के समय पर ही केंद्र बदलने का निर्देश मिला, वहीं कुछ को गलत परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया गया। परीक्षा में बैठने से पहले ही अभ्यर्थियों का मनोबल टूट गया। सरकारी नौकरियों की भर्ती परीक्षाओं में होने वाली इन खामियों का असर केवल एक दिन की परीक्षा पर नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य पर पड़ता है। एक अभ्यर्थी कई वर्षों तक पढ़ाई करता है, प्रतियोगी माहौल में जी-तोड़ मेहनत करता है, परिवार के आर्थिक संसाधनों का उपयोग करता है और उम्मीद करता है कि निष्पक्ष परीक्षा के जरिए उसे मेहनत का सही फल मिलेगा। लेकिन जब परीक्षा की प्रक्रिया ही अव्यवस्थित हो जाए, तो अभ्यर्थी खुद को ठगा सा महसूस करता है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसी शिकायतें सामने आई हों। पिछले कई वर्षों से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में तकनीकी खामियां, प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा स्थगन, केंद्रों पर कुप्रबंधन और समय पर परिणाम न आने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। इससे न केवल अभ्यर्थियों का समय और धन बर्बाद होता है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। परीक्षाओं को लेकर उनमें असुरक्षा और अनिश्चितता की भावना पनपने लगती है। यह स्थिति देश की सबसे ऊर्जावान और मेहनती पीढ़ी को निराश कर रही है। सरकार और संबंधित संस्थानों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन में पूरी पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करें। परीक्षार्थियों से जो शुल्क लिया जाता है, उसका उपयोग संसाधनों को दुरुस्त करने, तकनीकी खामियों को दूर करने और परीक्षा प्रक्रिया को बेहतर बनाने में होना चाहिए। आधुनिक तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब उससे परीक्षा सरल और सुरक्षित बने, न कि अभ्यर्थियों की परेशानी का कारण। युवाओं के लिए सरकारी नौकरी अब भी सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक विकल्प माना जाता है।

बदइंतजामी के राजमार्गों पर हादसों में कुचल रहे परिवारों के सपने, न तो टोल वसूल रही कंपनियों को चिंता है और न ही एनएचएआइ प्रबंधन को

-सरकारी योजनाएँ और उनकी कमजोरियाँ

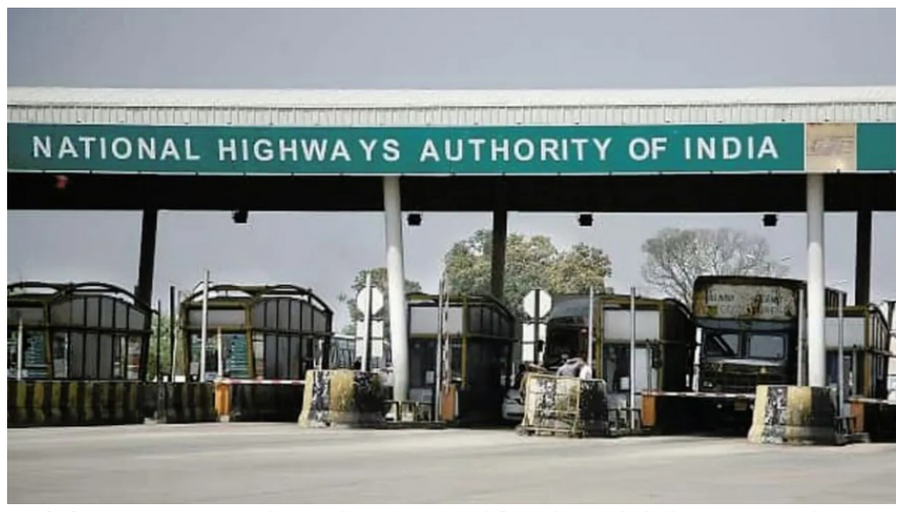

भारत की सड़कों पर हर दिन हजारों वाहन दौड़ते हैं। यात्रा को आसान और तेज़ बनाने के लिए हाईवे और एक्सप्रेस-वे बनाए जाते हैं, लेकिन इन राजमार्गों पर घट रही दुर्घटनाएँ अब सवाल उठाती हैं कि क्या वास्तव में ये सुरक्षित हैं? जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर बिलौची पुलिया के पास हुआ हादसा, जिसमें खड़े ट्रक से मोटरसाइकिल टकरा गई और एक परिवार की खुशियाँ छिन गईं, इस बात का ताज़ा उदाहरण है कि राजमार्गों पर सुरक्षा इंतजामों में कितनी भारी लापरवाही बरती जाती है। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि देशभर में आए दिन सड़क हादसों की एक लंबी श्रृंखला का हिस्सा है। सवाल उठता है कि जब करोड़ों रुपये टोल टैक्स के नाम पर वसूले जाते हैं, तो आम नागरिकों को सुरक्षित सड़कें क्यों नहीं मिलतीं?

भारत में सड़क हादसों की भयावह तस्वीर

भारत में सड़क हादसों का आँकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। हर साल करीब 1.5 लाख लोगों की मौत सड़क हादसों में होती है। यानी हर चार मिनट में एक मौत। इसके अलावा लाखों लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं, जिनका इलाज परिवारों की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। राजमार्गों पर यह समस्या और भी ज्यादा गंभीर है। क्योंकि यहाँ वाहन अधिक रफ्तार से चलते हैं, और एक छोटी सी गलती भी बड़े हादसे में बदल जाती है।

हादसों के पीछे मुख्य कारण

बिना चेतावनी के खड़े वाहन

हाईवे पर सबसे बड़ा खतरा उन वाहनों से है जो अचानक खराब हो जाएँ और चालक उन्हें सड़क किनारे खड़ा कर दे। नियम है कि ऐसे वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा किया जाए। अगर मजबूरी में खड़ा करना भी पड़े, तो चेतावनी त्रिकोण (warning triangle), रिफ्लेक्टर, या लाइट लगाना अनिवार्य है। लेकिन हकीकत में ड्राइवर सीधे गाड़ी रोक देता है, और यह मौत का जाल साबित होता है।

गश्ती और पेट्रोलिंग की लापरवाही

टोल वसूलने वाली कंपनियों का दावा होता है कि उनके पास पेट्रोलिंग टीमें हैं। लेकिन जब हादसे होते हैं तो उनका जवाब यही होता है – "गाड़ी हटाई थी, फिर से खड़ी हो गई, हम कुछ नहीं कर सकते।" यह रवैया उनकी गैरजिम्मेदारी और तंत्र की नाकामी को उजागर करता है।

टोल वसूली और सेवाओं का असंतुलन

सरकार कंपनियों को टोल वसूलने का अधिकार देती है। आम जनता हर यात्रा पर पैसा देती है। लेकिन उसके बदले में न तो सड़कें सुरक्षित हैं और न ही त्वरित मदद उपलब्ध होती है।

चालक की लापरवाही

यह भी सच है कि बहुत सी दुर्घटनाओं में चालकों की ही गलती होती है –

तेज गति

शराब पीकर गाड़ी चलाना

मोबाइल पर बात करना

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी

लेकिन जब हाईवे पर प्रबंधन ही कमजोर हो, तो दुर्घटनाएँ और बढ़ जाती हैं।

एनएचएआई और टोल कंपनियों की जिम्मेदारी

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और टोल कंपनियों को केवल सड़क बनाने या टोल वसूलने का अधिकार नहीं है। उनकी कानूनी और सामाजिक जिम्मेदारी है कि: हाईवे पर 24x7 पेट्रोलिंग हो। हर कुछ किलोमीटर पर इमरजेंसी हेल्पलाइन बूथ हों। खराब वाहनों को तुरंत हटाने के लिए क्रेन सेवा उपलब्ध हो। हर 50–60 किमी पर एम्बुलेंस और मेडिकल सहायता केंद्र हो। लेकिन वास्तविकता में यह व्यवस्था कागजों पर ही रहती है।

राजस्थान और जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस-वे की स्थिति

जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस-वे देश के सबसे व्यस्त मार्गों में से है। हर दिन लाखों वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। टोल वसूली करोड़ों रुपये में होती है। लेकिन पेट्रोलिंग की कमजोरी, पुलिस की लापरवाही और कंपनियों की उदासीनता इसे मौत का हाईवे बना देती है। बिलौची पुलिया हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। अगर समय पर चेतावनी संकेत होता, अगर गश्ती दल सक्रिय होता, अगर खराब ट्रक तुरंत हटाया जाता, तो शायद उस परिवार की खुशियाँ आज भी सलामत होतीं।

हादसों के सामाजिक और पारिवारिक प्रभाव

परिवार का टूटना

एक कमाऊ सदस्य की मौत के बाद पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में डूब जाता है। अनाथ बच्चों की शिक्षा और जीवन की राह कठिन हो जाती है। जब हजारों परिवार हर साल सड़क हादसों में बर्बाद होते हैं, तो यह सामाजिक ढांचे को कमजोर करता है।

सरकारी योजनाएँ और उनकी कमजोरियाँ

सरकार ने सड़क सुरक्षा सप्ताह, रोड सेफ्टी अभियान, और गोल्डन ऑवर स्कीम जैसी योजनाएँ बनाई हैं।

लेकिन इनका असर ज़मीनी स्तर पर नहीं दिखता। पुलिस की कमी, जागरूकता की कमी, और सबसे बड़ी बात लापरवाह प्रबंधन।

क्या होना चाहिए?

सख्त जवाबदेही – एनएचएआई और टोल कंपनियों पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हादसे की स्थिति में उनके खिलाफ केस दर्ज हो। हाईवे पेट्रोलिंग का आधुनिकीकरण –ड्रोन निगरानी, स्मार्ट कैमरे, जीपीएस से लैस गाड़ियाँ,

ड्राइवरों के लिए अनिवार्य ट्रेनिंग – खासकर भारी वाहनों के ड्राइवरों को चेतावनी संकेतों का इस्तेमाल सिखाना अनिवार्य हो।

तकनीकी सुधार – हर वाहन में ऑटोमेटिक चेतावनी लाइट, हाईवे पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड

जन-जागरूकता – टीवी, सोशल मीडिया, रेडियो के जरिए लोगों को बार-बार समझाना होगा कि सड़क पर जरा सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है। राजमार्गों को आमतौर पर सुरक्षित और तेज़ यात्रा का प्रतीक माना जाता है। लेकिन जब वहाँ बदइंतजामी और लापरवाही का बोलबाला हो, तो वे मौत के जाल में बदल जाते हैं। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बिलौची पुलिया हादसा हमें यह सिखाता है कि केवल ड्राइवरों को दोषी ठहराना आसान है, लेकिन असली जिम्मेदारी उन कंपनियों और व्यवस्थाओं की है जो जनता से टोल वसूलती हैं और सुरक्षा देने का वादा करती हैं। अगर वाकई सरकार और प्रबंधन सख्ती से कदम उठाएँ, तो सड़क हादसों में होने वाली हजारों मौतों को रोका जा सकता है।

क्योंकि हर मौत सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं होती – वह पूरे परिवार के सपनों और भविष्य को कुचल देती है।

सड़क सुरक्षा और कानून का पहलू

भारत में सड़क सुरक्षा को लेकर कई कानून और नियम बनाए गए हैं। मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 और इसके बाद का संशोधित मोटर व्हीकल एक्ट, 2019 इसमें प्रमुख हैं। नए प्रावधानों में जुर्माने की राशि कई गुना बढ़ा दी गई है ताकि लोग ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से बचें। साथ ही, खराब वाहन को सड़क पर खड़ा करने या चेतावनी संकेत न लगाने पर भी जुर्माना तय किया गया है। लेकिन समस्या यह है कि इन कानूनों का पालन कराने वाली एजेंसियाँ ही लापरवाह हैं। पुलिस और हाईवे अथॉरिटी की उदासीनता से यह कानून केवल कागज़ों तक सिमट कर रह जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा पर चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने कई बार सड़क हादसों पर चिंता जताई है। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा समिति का गठन किया। इस समिति ने राज्यों को आदेश दिया कि वे सड़क हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएँ। कोर्ट ने कहा कि टोल वसूलने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी केवल पैसे वसूलना नहीं है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। लेकिन आज भी ज़मीनी हकीकत यही है कि दुर्घटनाओं के बाद पीड़ित परिवार न्याय और मुआवज़े के लिए भटकते रहते हैं। भारत की तुलना में विकसित देशों में सड़क सुरक्षा के मानक बेहद सख्त हैं। अमेरिका में हाईवे पर हर कुछ किलोमीटर पर रेस्ट एरिया, पेट्रोलिंग टीम और इमरजेंसी हेल्प पॉइंट मौजूद रहते हैं। जापान में सड़क पर वाहन खराब होने पर मिनटों में क्रेन और मदद पहुँच जाती है। यूरोप के देशों में टोल वसूली कंपनियाँ सीधे तौर पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए जवाबदेह होती हैं। भारत में भी यदि इसी तरह की व्यवस्था लागू की जाए तो सड़क हादसों में हजारों जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं।

पीड़ित परिवारों का दर्द

किसी सड़क हादसे के बाद पुलिस, प्रशासन और टोल कंपनी का रवैया अक्सर बेहद ठंडा होता है। परिवार को पोस्टमार्टम और कानूनी औपचारिकताओं में घंटों लग जाते हैं। मुआवज़ा पाने के लिए महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई बार बीमा कंपनियाँ तकनीकी खामियाँ बताकर भुगतान से बच जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में पीड़ित परिवार टूट जाता है। यही कारण है कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक या कानूनी मुद्दा नहीं बल्कि एक मानवीय मुद्दा भी है।

मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका

"कोलॉसी ऑफ मेमनन: मिस्र की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर और मानव कला-कौशल का अनुपम उदाहरण"

नील नदी की घाटी सदियों से मानव सभ्यता का पालना रही है। यही वह भूमि है जहाँ मिस्र की प्राचीन संस्कृति ने जन्म लिया और जिसने अपनी कला, स्थापत्य, विज्ञान और धर्म से पूरी दुनिया को चकित किया। पिरामिड, मंदिर और विशाल प्रतिमाएं मिस्र की उस गौरवशाली परंपरा के जीवंत साक्षी हैं। इन्हीं में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आकर्षक धरोहर है – कोलॉसी ऑफ मेमनन (Colossi of Memnon)। ये दो विराट पत्थर की प्रतिमाएं आज भी मिस्र की धरती पर खड़ी होकर उस समय के स्थापत्य और मूर्तिकला कौशल का बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

कोलॉसी ऑफ मेमनन का परिचय

कोलॉसी ऑफ मेमनन मिस्र की नील घाटी के पश्चिमी किनारे पर लक्सर (Luxor) नगर के पास स्थित हैं। यह दो विशाल प्रतिमाएं हैं जो मूल रूप से फिरौन अमेनहोटेप तृतीय (Amenhotep III) के भव्य स्मारक मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई थीं। इन प्रतिमाओं की ऊँचाई लगभग 18 मीटर (60 फीट) है और इनका वजन 700 टन से भी अधिक है। इन्हें एक ही पत्थर के खंड से तराशा गया था, जिसे क्वार्टजाइट बलुआ पत्थर कहा जाता है। यह प्रतिमाएं अमेनहोटेप तृतीय को सिंहासन पर बैठे रूप में दर्शाती हैं। उनके पैरों के पास उनकी माता और पत्नी की छोटी प्रतिमाएं भी उकेरी गई थीं। समय के साथ मंदिर तो नष्ट हो गया, लेकिन ये प्रतिमाएं अब भी अडिग खड़ी हैं और इतिहास की गवाही दे रही हैं।

अमेनहोटेप तृतीय और उनका समय

अमेनहोटेप तृतीय (1390–1352 ईसा पूर्व) मिस्र के अठारहवें राजवंश के महान फिरौनों में से एक थे। उनका शासनकाल शांति, समृद्धि और कला के उत्कर्ष का युग माना जाता है। उन्होंने अपने शासनकाल में अनेक भव्य भवन, मंदिर और मूर्तियां बनवाईं। उनकी महत्वाकांक्षा थी कि उनका स्मारक मंदिर (Mortuary Temple) इतना विशाल और भव्य बने कि वह उनकी शक्ति और ईश्वरीय स्थान का प्रतीक बने। इसी मंदिर के प्रवेश द्वार पर कोलॉसी ऑफ मेमनन स्थापित की गई थीं।

यूनानी और रोमी यात्रियों की दृष्टि

सदियों बाद जब यूनानी और रोमी यात्री मिस्र पहुंचे तो इन प्रतिमाओं को देखकर चकित रह गए। उन्हें लगा कि यह किसी ग्रीक पौराणिक पात्र से जुड़ी हैं। विशेषकर उत्तरी प्रतिमा सुबह के समय एक अजीब ध्वनि उत्पन्न करती थी, जिसे वे "गाते हुए मेमनन" (Singing Memnon) कहने लगे। यूनानी मान्यता के अनुसार, मेमनन ट्रॉय युद्ध का नायक था जिसे सुबह की देवी ईओस का पुत्र माना जाता था। कहा जाता है कि यह ध्वनि उसकी माँ के प्रति पुकार या अभिवादन थी। इसी वजह से इन मूर्तियों को "मेमनन" नाम मिल गया।

रहस्यमय ध्वनि – Singing Statues

रोमी और यूनानी यात्रियों ने उल्लेख किया है कि सूर्योदय के समय जब सूर्य की पहली किरणें उत्तरी प्रतिमा पर पड़ती थीं, तो उससे एक तरह की सीटी या गूंज जैसी ध्वनि निकलती थी। आज शोधकर्ताओं का मानना है कि यह ध्वनि पत्थर के भीतर मौजूद दरारों और तापमान में बदलाव के कारण उत्पन्न होती थी। सूरज की गर्मी से पत्थर फैलता और हवा के संपर्क में आने से ध्वनि पैदा होती। बाद में जब रोमी सम्राट सेप्टिमियस सेवेरस ने प्रतिमा की मरम्मत करवाई, तो वह ध्वनि आनी बंद हो गई।

शिलालेख और यात्रियों की स्मृतियां

उत्तरी प्रतिमा पर आज भी लगभग 107 यूनानी और रोमी शिलालेख अंकित हैं। ये उन यात्रियों और सैनिकों के नाम और कविताएं हैं जो प्रतिमा से निकलने वाली रहस्यमय ध्वनि को सुनकर प्रभावित हुए थे। इन शिलालेखों से यह भी स्पष्ट होता है कि रोमन काल में यह स्थान तीर्थ जैसा बन गया था, जहाँ आकर लोग इस अद्‌भुत घटना का अनुभव करना चाहते थे।

स्थापत्य और कला कौशल

कोलॉसी ऑफ मेमनन केवल मूर्तियां नहीं हैं, बल्कि मिस्र की महान स्थापत्य और शिल्पकला का अद्‌भुत उदाहरण हैं। इन्हें एक ही पत्थर से तराशा गया था, जो आज के समय में भी कठिन कार्य है। पत्थरों को लगभग 675 किलोमीटर दूर गीज़ा और काहिरा क्षेत्र से लाया गया था। यह परिवहन कार्य अपने आप में असाधारण था। प्रतिमाओं का संतुलन और उनका विशाल आकार उस समय की इंजीनियरिंग दक्षता का प्रमाण है।

मंदिर का विनाश और वर्तमान स्थिति

अमेनहोटेप तृतीय का विशाल स्मारक मंदिर कभी मिस्र का सबसे बड़ा धार्मिक ढांचा था, लेकिन समय के साथ बाढ़, भूकंप और पत्थरों की लूट के कारण मंदिर नष्ट हो गया। आज मंदिर का कोई अवशेष नहीं बचा है, केवल कोलॉसी ऑफ मेमनन ही उसके भव्य अतीत की कहानी सुनाते हैं।

आधुनिक शोध और संरक्षण

आज कोलॉसी ऑफ मेमनन विश्व के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों में गिने जाते हैं। मिस्र सरकार और अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान इस स्थल के संरक्षण और अध्ययन में जुटे हैं। यहाँ निरंतर उत्खनन और शोध कार्य हो रहा है जिससे अमेनहोटेप तृतीय के मंदिर की संरचना और मिस्र की संस्कृति के बारे में नई जानकारियां मिल रही हैं। 1979 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Site) घोषित किया गया।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

कोलॉसी ऑफ मेमनन केवल मूर्तियां नहीं हैं, बल्कि वे उस धार्मिक विचारधारा का हिस्सा थीं जिसमें फिरौन को ईश्वर समान माना जाता था। यह प्रतिमाएं राजसत्ता और ईश्वरीय शक्ति का प्रतीक थीं। इनका उद्देश्य था कि लोग अमेनहोटेप तृतीय को केवल शासक नहीं, बल्कि देवता के रूप में पूजें। साथ ही यह उस समय की कला, धर्म और मिथकों के समन्वय का भी प्रमाण हैं।

पर्यटकों का आकर्षण

आज भी कोलॉसी ऑफ मेमनन मिस्र आने वाले पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र हैं। लाखों पर्यटक हर साल लक्सर आते हैं और इन विशाल प्रतिमाओं को देखकर आश्चर्यचकित होते हैं। इनके साथ ली गई तस्वीरें और स्मृतियां आज भी मिस्र पर्यटन का अभिन्न हिस्सा हैं। यह स्थल शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मानव सभ्यता के लिए संदेश

कोलॉसी ऑफ मेमनन केवल मिस्र की धरोहर नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव सभ्यता की धरोहर हैं। यह हमें यह संदेश देते हैं कि मानव का कला और शिल्प के प्रति प्रेम अमर है। भले ही मंदिर नष्ट हो गया हो, लेकिन ये प्रतिमाएं आज भी खड़ी हैं और हमें अतीत से जोड़ती हैं। यह धरोहर बताती है कि मनुष्य सीमित साधनों के बावजूद असीम कल्पना और परिश्रम से असंभव को संभव कर सकता है। कोलॉसी ऑफ मेमनन मिस्र की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक हैं जिसने दुनिया को अद्‌भुत स्थापत्य और कलात्मक धरोहरें दीं। यह प्रतिमाएं केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं, बल्कि मानव सृजनात्मकता, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक गौरव की सजीव गवाही हैं।

बहादुर शाह ज़फ़र – दिल्ली के आख़िरी मुग़ल बादशाह, जिन्होंने 1857 की बग़ावत में प्रतीकात्मक नेतृत्व दिया

भारत का इतिहास अनेक उतार–चढ़ावों और संघर्षों से भरा पड़ा है। मुग़ल साम्राज्य, जिसने लगभग तीन सौ वर्षों तक भारत के बड़े हिस्से पर शासन किया, 18वीं शताब्दी के आते-आते धीरे–धीरे कमजोर होने लगा। अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी की बढ़ती ताक़त और मराठों, सिखों तथा अन्य शक्तियों के उदय ने मुग़ल सत्ता को सीमित कर दिया। इस क्रम में बहादुर शाह द्वितीय, जिन्हें इतिहास "बहादुर शाह ज़फ़र" के नाम से याद करता है, दिल्ली के अंतिम मुग़ल सम्राट बने। उन्होंने सीधे राजनीतिक ताक़त भले ही न दिखाई हो, लेकिन 1857 की पहली स्वतंत्रता संग्राम में उनका नाम और उनका व्यक्तित्व पूरे हिंदुस्तान के लिए एक प्रतीक बन गया।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

बहादुर शाह ज़फ़र का जन्म 24 अक्तूबर 1775 को दिल्ली के लाल क़िले में हुआ था। वे अकबर शाह द्वितीय और उनकी पत्नी लालबाई के पुत्र थे। ज़फ़र का असली नाम "अबुज़फ़र सिराजुद्दीन मुहम्मद बहादुर शाह" था। बाल्यकाल से ही वे साहित्य, संगीत और सूफ़ी विचारधारा के क़रीब रहे। उन्हें शायरी और ग़ज़लें लिखने का बेहद शौक था। राजनीति और राज्यकाज की औपचारिक शिक्षा भले ही सीमित रही हो, लेकिन फ़ारसी, उर्दू, अरबी और हिन्दवी में उनकी पकड़ गहरी थी।

मुग़ल सल्तनत की हालत

जब बहादुर शाह ज़फ़र ने 1837 में गद्दी संभाली, तब तक मुग़ल साम्राज्य सिर्फ़ नाम भर रह गया था। उनका अधिकार केवल दिल्ली और उसके आसपास तक सीमित था। असली ताक़त अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी के पास थी। लाल क़िले की दीवारों से बाहर उनकी हुकूमत नहीं चलती थी। सैनिक और प्रशासन अंग्रेज़ों के नियंत्रण में थे। दिल्ली दरबार अब केवल औपचारिक और सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका था। इसके बावजूद बहादुर शाह ज़फ़र दिल्ली में साहित्यिक और सांस्कृतिक जीवन के केंद्र बने। उनकी शायरी ने उन्हें भारतीय इतिहास का एक अलग मुक़ाम दिलाया।

शायर बादशाह

ज़फ़र का असली शौक़ राजनीति से ज़्यादा शायरी और अध्यात्म था। उन्होंने "ज़फ़र" तख़ल्लुस से ग़ज़लें और शेर कहे। वे ग़ालिब, ज़ौक़ और मोमिन जैसे महान शायरों के समकालीन थे। उनकी शायरी में दर्द, बेबसी, तन्हाई और आध्यात्मिकता झलकती है। एक शेर में उन्होंने अपनी हालत को बख़ूबी बयां किया – "लगता नहीं है जी मेरा उजड़े दयार में, किसकी बनी है आलम-ए-नापाएदार में।"

1857 की बग़ावत और ज़फ़र की भूमिका

1857 का साल भारतीय इतिहास का एक निर्णायक मोड़ था। मेरठ से शुरू हुई सैनिक बग़ावत देखते ही देखते उत्तर भारत के बड़े हिस्से में फैल गई। मेरठ से निकले सिपाही दिल्ली पहुँचे और उन्होंने बहादुर शाह ज़फ़र से नेतृत्व स्वीकार करने की अपील की। अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जनता और सैनिकों को एकजुट करने के लिए एक प्रतीक की ज़रूरत थी। यद्यपि ज़फ़र बूढ़े और कमज़ोर थे, लेकिन उनके नाम में "मुग़ल साम्राज्य की शान" और "हिंदुस्तान की बादशाहत" का भाव जुड़ा था। मजबूरी और दबाव के बीच उन्होंने विद्रोहियों का नेतृत्व स्वीकार किया।

दिल्ली का हाल 1857 में

दिल्ली विद्रोह का केंद्र बन गई। विद्रोही सैनिकों ने अंग्रेज़ अधिकारियों की हत्या की। अंग्रेज़ शासकों के डर से आम जनता भी बग़ावत में शामिल हो गई। बहादुर शाह ज़फ़र को "हिंदुस्तान का बादशाह" मानकर विद्रोहियों ने उनके नाम से सिक्के ढाले और फ़रमान जारी किए। लेकिन सच्चाई यह थी कि ज़फ़र के पास न तो सैन्य ताक़त थी और न ही संसाधन। असली लड़ाई विद्रोही सिपाहियों और जनता ने लड़ी।

अंग्रेज़ों की वापसी और दिल्ली की तबाही

कुछ महीनों तक दिल्ली विद्रोहियों के कब्ज़े में रही। लेकिन अंग्रेज़ों ने अपनी संगठित फ़ौज और आधुनिक हथियारों की मदद से सितंबर 1857 में दिल्ली पर फिर से क़ब्ज़ा कर लिया। दिल्ली पर अंग्रेज़ी तोपख़ाने ने भयानक गोलाबारी की। शहर तबाह हो गया, हज़ारों लोग मारे गए। लाल क़िला और मुग़ल दरबार की शानो–शौकत खत्म हो गई।

बहादुर शाह ज़फ़र की गिरफ़्तारी

अंग्रेज़ों ने बहादुर शाह ज़फ़र को गिरफ्तार किया। उन पर "ग़द्दारी" और "विद्रोह" का मुक़दमा चलाया गया। मुक़दमा लाल क़िले में हुआ और तीन महीने तक चला। 1858 में अंग्रेज़ों ने उन्हें दोषी करार दिया।

रंगून की जलाई

अंग्रेज़ सरकार ने बहादुर शाह ज़फ़र को सज़ा–ए–मौत नहीं दी, बल्कि उन्हें म्यांमार (तब का रंगून) निर्वासित कर दिया। 1858 में उन्हें अपनी बेग़म ज़ीनत महल और परिवार के साथ रंगून भेजा गया। वहाँ वे बेहद ग़रीबी और गुमनामी की ज़िंदगी जीने लगे। 7 नवंबर 1862 को बहादुर शाह ज़फ़र ने रंगून में अंतिम सांस ली। उन्हें वहीं एक छोटे से मक़बरे में दफ़नाया गया।

बहादुर शाह ज़फ़र का महत्व

राजनीतिक दृष्टि से वे भले ही वास्तविक शक्ति से वंचित थे, लेकिन 1857 की बग़ावत के दौरान उनका नाम लोगों को एकजुट करने का प्रतीक बना। उनके नेतृत्व ने हिंदू–मुस्लिम एकता की झलक दिखाई। सांस्कृतिक दृष्टि से वे ग़ज़ल और शायरी के संरक्षक थे। दिल्ली की गंगा–जमुनी तहज़ीब को उन्होंने संवारने का काम किया। ऐतिहासिक दृष्टि से उनकी शख़्सियत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले अध्याय की प्रतीक बन गई। वे आख़िरी मुग़ल बादशाह के रूप में याद किए जाते हैं।

ज़फ़र की शायरी और दर्द

रंगून में निर्वासन के दौरान ज़फ़र ने अपने दर्द को शायरी में उतारा। उनका एक मशहूर शेर उनकी हालत बयां करता है – "कितना है बदनसीब ज़फ़र, दफ़्न के लिए दो गज़ ज़मीन भी न मिली कू-ए-यार में।" यह शेर उनकी बेबसी, तन्हाई और अपने वतन से जुदाई का दर्द साफ़ तौर पर दिखाता है। बहादुर शाह ज़फ़र राजनीतिक दृष्टि से कमज़ोर और लाचार शासक थे, लेकिन उनकी शख़्सियत ने 1857 की क्रांति को एक ऐतिहासिक पहचान दी। उन्होंने अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जनता के ग़ुस्से और विद्रोह को अपने नाम से जोड़ने की इजाज़त दी। भले ही यह लड़ाई नाकाम रही, लेकिन इसने भारत की आज़ादी की लड़ाई की नींव मज़बूत की। बहादुर शाह ज़फ़र का जीवन हमें यह सिखाता है कि कभी–कभी व्यक्ति की शक्ति उसकी सेना या दौलत में नहीं, बल्कि उसकी पहचान और उसके प्रतीकात्मक महत्व में होती है। वे आख़िरी मुग़ल बादशाह ही नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के पहले बड़े प्रतीक भी थे।

इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का ऐतिहासिक लक्ष्य हुआ पूरा

-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को मिल रहे नए आयाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया तथा वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर, हमारी सरकार ने राजस्थान को हरा-भरा बनाने का संकल्प किया है। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत 'हरियालो राजस्थान' का शुभारंभ किया था। हमारा लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए। इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने की अपील की

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष हमारा 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था जिसे पूरा कर हमने 7 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा कि इस साल भी हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अब तक 37 लाख 51 हजार पौधे व्यक्तिगत स्तर पर तथा 9 करोड़ 83 लाख पौधे ब्लॉक स्तर पर लगाए गए हैं। 20 लाख हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया। साथ ही, 2 लाख 74 हजार 920 पौधारोपण साइट्स पर 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा 3 करोड़ 25 लाख, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 2 करोड़ 65 लाख, वन विभाग द्वारा 2 करोड़, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 50 लाख सहित विभिन्न विभागों द्वारा पौधारोपण किया गया है।

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का फोलोअप व समुचित उपचार प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दिशा में पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। राज्य स्तर से प्रत्येक मंगलवार को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से साप्ताहिक बैठक आयोजित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, आशा कार्यक्रम, परिवार नियोजन सहित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मिशन निदेशक ने प्रदेश में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व चार जांच सेवाएं उपलब्ध कराने में परिवहन के लिए 104 जननी एक्सप्रेस के सदुपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का फोलोअप करें ताकि उनका आगामी उपचार प्रबंधन समुचित हो सके। साथ ही, उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का शत प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवनियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को आगामी 15 दिवस में आवश्यक प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि एनीमिक महिलाओं के लिए फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज इंजेक्शन सेवाएं संचालित की जा रही हैं। नियमानुसार कम हीमोग्लोबिन वाली महिलाओं को यह इंजेक्शन लगाए जाएं।

मातृ मृत्यु के कारणों की समीक्षा आवश्यक

डॉ. यादव ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा कि मेटरनल डेथ सर्विलांस एंड रेस्पांस के तहत गहन समीक्षा किया जाना आवश्यक है, ताकि मातृ मृत्यु के कारणों का पता लगाया सके। इससे समय रहते उन कारणों का समुचित प्रबंधन कर भविष्य में होने वाली मृत्यु को रोका जा सकेगा।

आशा क्लेम फॉर्म सबमिशन की समीक्षा करें

मिशन निदेशक ने कहा कि प्रदेश में 54 हजार से अधिक आशा सहयोगिनी कार्यरत हैं, जो गांव-ढाणी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी व मोबालाइजेशन में एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता है। उन्होंने आशा द्वारा उनके किए गए कार्यों के आधार पर सबमिट किए जाने वाले मासिक क्लेम फॉर्म के सबमिशन की समीक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो आशाएं अपने क्लेम फॉर्म सबमिट नहीं करती हैं या कार्य नहीं कर पा रही हैं, उनके लिए ब्लॉक या सेक्टर स्तर पर नियमत रूप से समीक्षा बैठक आयोजित करें। इसी से समग्र रूप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सूचकांकों में सुधार परिलक्षित हो पाएगा। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने गर्भवती महिलाओं के समय पर रजिस्ट्रेशन, गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच करवाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने चार बार प्रसव पूर्व जांच के डेटा को भी समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी इलाकों में संस्थागत प्रसव पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। संस्थागत प्रसव के मामले में कम प्रगति वाले वाले क्षेत्रों में अधिक प्रयास व सघन मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. सुशील परमार, संबंधित कार्यक्रमों के परियोजना निदेशक एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। वीसी के माध्यम से संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, आरसीएचओ एवं संबंधित अधिकारीगण जुड़े।

उद्यमियों और व्यापारियों के सम्मेलन में राजस्थान से भी 51 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल होगा शामिल- सुनील भार्गव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन नेशन, वन इलेक्शन अभियान के अंतर्गत 23 अगस्त को 'उद्यमियों और व्यापारियों के सम्मेलन' का आयोजन नई दिल्ली जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में किया जा रहा है।

वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य देशभर के प्रमुख उद्योग एव व्यापार जगत के नेताओं को एक मंच पर लाकर, "वन नेशन, वन इलेक्शन" जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय पर विचार-विमर्श करना है। विशेष रूप से इस पहल के व्यापार और अर्थव्यवस्था पर संभावित सकारात्मक प्रभाव को समझने और रेखांकित करने हेतु यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। भार्गव ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं शिवराज सिंह चौहान रहेंगे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड, सुरेंद्र नागर, अनिल एंटोनी, कामाख्या प्रसाद तासा की गरिमामय उपस्थिति रहेंगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के माध्यम से "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर उद्योग एवं व्यापार जगत की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण तैयार किया जाएगा। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में स्थायित्व, पारदर्शिता और आर्थिक सुगमता को बढ़ावा मिल सकेगा। सभी व्यापारिक संगठनों, उद्यमियों एवं नीति-निर्माताओं से अपील की जाती है कि वे इस आयोजन में अपनी सम्माननीय उपस्थिति

दर्ज कराएं और राष्ट्रीय महत्व के इस विषय को और अधिक सार्थक एवं प्रभावी बनाने में योगदान दें। भार्गव ने बताया कि राजस्थान से भी उद्यमियों एवं व्यापारियों का 51 सदस्यी एक प्रतिनिधि मंडल इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाएगा।

गलता तीर्थ में गौशाला निर्माण के लिए महापौर ने किया भूमि पूजन

-राधारानी व जानकी पार्कों के निर्माण के लिए 20-20 लाख देने की घोषणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। फिनोवा कैपिटल और जयपुर जिला प्रशासन के संयुक्त सहयोग से जयपुर के प्राचीन तीर्थस्थल गलताजी धाम परिसर में एक भव्य एवं आधुनिक गोशाला के निर्माण हेतु भूमि पूजन नगर निगम हेरिटेज जयपुर की महापौर श्रीमती कुसुम यादव ने किया।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय गलता तीर्थ धाम परिसर में हमारी सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए जिला प्रशासन व फिनोवा कैपिटल संयुक्त रूप से निर्माण की जा रही गौशाला के लिए भूमि पूजन हुआ है। गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरंभ की गई यह महत्वाकांक्षी पहल क्षेत्र में पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देगी। नवनिर्मित गौशाला में गौ माता के संरक्षण हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं सहित स्वच्छ जल एवं चारे की उचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर नगर निगम हेरिटेज जयपुर महापौर ने नगर निगम हेरिटेज की ओर से गलता तीर्थ परिसर मे 20-20 लाख रुपये की लागत से दो पार्क राधारानी व जानकी के निर्माण की घोषणा भी की है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलेक्टर जयपुर को जब से गलता तीर्थ का माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासक नियुक्त किया गया है। तब से गलता तीर्थ परिसर को भव्य व सुव्यवस्थित करने का निरन्तर प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इस कड़ी में फिनोवा कैपिटल के सीएसआर मद करीब 12 लाख से 60x80 वर्ग फुट क्षेत्र भूमि पर गलता तीर्थ परिसर में रह रही 40 से 50 गौवंश के लिए सुव्यवस्थित भव्य व आधुनिक गौशाला का निर्माण किया जा रहा है।

इस अवसर पर नगर निगम हेरिटेज जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त सुरेन्द्र यादव, नगर निगम आदर्श नगर जयपुर के डीसी युगान्तर शर्मा, देवस्थान विभाग जयपुर के सहायक आयुक्त प्रथम रतन लाल योगी, देवस्थान विभाग जयपुर के सहायक आयुक्त द्वितीय महेन्द्र देवतवाल व फिनोवा कैपिटल के प्रतिनिधि अर्पित गुप्ता सहित श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उस्मानी समाज का चौथा मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

-आधी रोटी खा लेना, मगर बच्चों को ज़रूर पढ़ाना- अब्दुल लतीफ आरको

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवी एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी अब्दुल लतीफ आरको द्वारा धौलपुर के समानी समाज के चौथे प्रतिभा सम्मान समारोह सरमथुरा में शिरकत की उस से पूर्व गंगापुर सिटी महापंचायत के अध्यक्ष याकूब, गुलबुद्दीन वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं टीम द्वारा अब्दुल लतीफ आरको, रमज़ान, इरफान खैरथल, डॉ शफीक का जोरदार स्वागत किया, आरको ने वहां समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करने की लिए कार्य करने पर बल दिया तत्पश्चात आरको अपनी टीम के साथ करौली स्थित मदरसे पहुंचे जहां मदरसे के मुतामिद एवं अन्य द्वारा उनका खैर मख़दम किया गया, जहां आरको ने सभी बच्चों को इंसाफ और ईमानदारी के साथ जीवन व्यतीत करने की सलाह दी। हिंडौनसिटी महापंचायत के अध्यक्ष आरिफ खान एवं महापंचायत की प्रतिनिधियों ने स्वागत किया आरको ने सभी को समाज को जोड़ने पर बल दिया। आरको ने बताया कि उस्मानी समाज धौलपुर का चौथा प्रतिभा सम्मान समारोह सरमथुरा में आयोजित किया गया।जिसमें धौलपुर जिले के मुस्लिम समाज के सत्र 2024-25 में 80 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र छात्राओं तथा 2025 में नौकरी लगने वाले युवाओं एवं 2025 में मुकद्दस हज के सफर से आने वाले हाजियों एवं हाफिजों का सम्मान किया गया। समारोह में बोलते हुए आरको ने समाज को शिक्षित करने पर बल दिया आरको ने समाज से अपील की के आधी रोटी खा लेना मगर बच्चों को शिक्षा से वंचित ना करना, बच्चे समाज का आईना हैं ये कल के देश एवं समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। आरको ने कहा कि अपनी शादी ब्याह में फिजूलखर्ची को रोक कर उस पैसे को शिक्षा पर लगाया जाए और बेटा बेटी में बिल्कुल भेद ना रखें।एक अच्छे नागरिक बनने के लिए भी शिक्षित होना अति आवश्यक है। समारोह की अध्यक्षता नवाब खान ने की और उन्होंने समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करने का वादा किया समाज ने हाथ उठा कर सकारात्मक संदेश दिया। समारोह में बसेड़ी विधायक संजय जाटव मौजूद रहे उन्होंने देश को ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु समाज से सहभागिता निभाने पर जोर दिया समारोह में बहुत से अतिथिगण शरीक रहे।

एफआरटी कर्मचारी वेतन वृद्धि समेत बकाया एरियर को लेकर 11 दिन बाद बनी सहमति

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा वेतन बढ़ोतरी सहित बकाया एरियर को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरे एफआरटी कर्मचारी की मांगों पर 11 दिन बाद सहमति बनने पर हड़ताल समाप्त कर काम पर लौट आए। कार्मिक उमेश सैनी, रामावतार यादव व नरेश सैनी ने बताया कि कंपनी द्वारा कार्मिकों का वेतन बढ़ा दिया गया है तथा एरियर का भुगतान भी जल्दी करने की समय सीमा तय की है। बाकी बची हुई अन्य 13 मांगों पर भी सहमति बन गई है। जिससे हड़ताल पर चल रहे सभी कार्मिक वापस अपने काम पर लौट आए हैं। गोरतलब है कि मांगों को लेकर शाहपुरा बिजली ग्रेड में शाहपुरा, मनोहरपुर, राडावास, विराटनगर के एफआरटी कार्मिकों ने विरोध जताते हुए पैदल मार्च निकाला। यहां तक कि शाहपुरा विधायक मनीष यादव के नाम कांग्रेस ब्लॉँक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी को मांगो को लेकर ज्ञापन सौपा था। विधायक ने भी इस संबंध में कंपनी के एमडी

से बातचीत की थी।कार्मिकों की ओर से साफ चेतावनी दी गई थी यदि कंपनी द्वारा उनकी मांगे नही मानी तो उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा।

एफआरटी टीम के कर्मचारी पिछले लगभग आठ वर्षों से ठेका आधारित कंपनियों के माध्यम से विभाग में कार्यरत है। अभी वीजन प्लस कंपनी को टेंडर दे रखा है। जिनको न तो समय पर वेतन वृद्धि का लाभ मिल रहा था और न ही पिछली सरकार द्वारा घोषित 26 रूपये प्रतिदिन की न्यूनतम वेतन बढोतरी का भुगतान किया जा रहा था। जिसका कार्मिकों ने विरोध जताया गया था।

कार्मिकों की ये थे मुख्य मांगे-

लाइनमैन का मासिक वेतन 21 हजार तथा हेल्पर का 18 हजार करने, हर शिफ्ट में रेस्ट रिलिवर की नियुक्ति करने, अनुभव प्रमाण पत्र न देने पर कंपनी को बाध्य करने, कर्मचारियों को आवश्यक सेफ्टी उपकरण मुहैया कराने, एफआरटी टीम को केवल एलटी लाइन कार्य सौपने, गाडियों पर ड्राइवर नही होने पर लाइनमैन ही ड्राइवरी कर जान जोखिम मे डाल रहे हैं समेत 13 मांगो शामिल थी।

निगम आयुक्त ने की समीक्षा बैठक, ऑनलाइन पेंडेंसी पर त्वरित कार्य करने के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर हेरिटेज निगम प्रशासन अब बाजारों में सख्त कार्रवाई को लेकर एक्शन में आ गया है। मंगलवार को हेरिटेज निगम मुख्यालय में हुई समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने सभी जोन उपायुक्त को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई के मामले में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। जोन उपायुक्त अपने क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले इलाकों में प्रतिदिन निरीक्षण करें, साथ माइक के जरिए बाजार में दो डस्टबिन रखने और गंदगी नहीं फैलाने के लिए बार बार अनाउंस करें। निगम आयुक्त ने कहा कि जिस दुकान के बाहर ज्यादा गंदगी दिखे, उसका भारी चालान किया जाएं। साथ ही सफाई व्यवस्था भी रखने पर अगली बार सीज भी किया जाएं। इसके लिए जोन उपायुक्त अपनी टीम के साथ लगातार मॉनिटरिंग करें। व्यापारियों को समझाएं कि ये शहर हमारा अपना है। इसे स्वच्छ बनाएं रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है।

जोन उपायुक्त से ओपन डिपो की लिस्ट मांगी, कचरा डिपो खत्म कर सौंदर्यकरण कार्य के दिए निर्देश

वहीं, आयुक्त निधि पटेल ने सभी जोन उपायुक्त से उनके क्षेत्र में ओपन कचरा डिपो की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि मिशन मोड पर ओपन डिपो खत्म किए जाएं और वहां सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाएं, जिससे लोग सड़क पार कचरा नहीं फेंके। साथ ही स्मार्ट सिटी के लगे कैमरों और अन्य जगहों पर लगे कैमरों की मदद से कचरा फेंकने वालों को ट्रेस कर चालान किया जाएं। साथ निगम आयुक्त ने उद्यान शाखा को निर्देश दिए कि प्रतिदिन एक वार्ड में पेड़ पौधों और डिवाइडर के पास घास की कटाई की जाएं। जिससे कि पेड़ो की आड़ में कचरा इकठ्ठा नहीं हो पाएं।

कॉल सेंटर पर आ रही शिकायतों को गंभीरता से लेकर करें निस्तारण

वहीं, समीक्षा बैठक के दौरान निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने कहा कि हेरिटेज निगम के कॉल सेंटर और संपर्क पोर्टल पर आ रही शिकायतों को निगम अधिकारी गंभीरता के साथ निस्तारण कराएं। हर शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से बात कर संतुष्टि भी लें। इसके साथ ही आयुक्त ने जोन में पट्टा संबंधी फाइलें ऑनलाइन करने के कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पट्टा संबंधी सभी दस्तावेज ऑनलाइन करना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाएं। वहीं, सिविल कार्यों में निगम आयुक्त ने सभी इंजीनियरिंग विंग को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

हवामहल जोन में ऑनलाइन पेंडेंसी ज्यादा होने पर आयुक्त नाराज, नोटिस जारी करने के निर्देश

वहीं, ऑनलाइन पेंडेंसी में हवामहल जोन के द्वारा कार्य कम होने पर हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जोन में कार्यरत राजस्व अधिकारी पार्वती सोनी, नितेश गौड़ और सतीश जाटव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आमजन के हित से जुड़ी फाइलों को ज्यादा दिन तक लेकर नहीं बैठे। त्वरित गति से कार्य करें। लापरवाही बरतने पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। वहीं, ऑनलाइन पेंडेंसी की समीक्षा को लेकर एक कमेटी के गठन के निर्देश भी दिए।

सिविल लाइन जोन में बाजारों में किया अनाउंस, सफाई नहीं होने पर 25000 का किया चालान

सिविल लाइन जोन क्षेत्र में बाजार में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें जोन उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा के नेतृत्व में जोन के सफाई निरीक्षकों ने माइक से अनाउंस कर समझाइश की, और ज्यादा गंदगी मिलने पर दुकानों के चालान भी काटे। इस दौरान 25 हजार रुपए के चालान किए गए। उपायुक्त सुनील कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन, हसनपुरा और शास्त्री नगर में अभियान चलाया गया। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये राजापार्क पचंवटी सर्किल, गली नं. 03 राजापार्क, जयपुर विकास प्राधिकरण व यातायात पुलिस के साथ नगर निगम की संयुक्त कार्यवाही विजय द्वार से 200 फिट बाईपास, गाँधी पथ एवं किरण पैलेस अजमेर रोड पर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 6 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये राजापार्क पचंवटी सर्किल, गली नं. 03 राजापार्क, जयपुर विकास प्राधिकरण व यातायात पुलिस के साथ नगर निगम की संयुक्त कार्यवाही विजय द्वार से 200 फिट बाईपास, गाँधी पथ एवं किरण पैलेस अजमेर रोड पर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 5 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 6 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जनजातीय क्षेत्रों में विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा आदि कर्मयोगी अभियान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा विकसित भारत के निर्माण के लिए जनजाति लोगों के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके तहत पूरे देश में एक लाख जनजाति बाहुल्य गांवों में प्रत्येक गांव में 20 व्यक्तियों को चयनित किया जाकर आदि सहयोगी एवं आदि साथी के रूप में कार्य करवाना है। आदि कर्मयोगी विकसित भारत के लिए आंदोलन है जो सेवा, समर्पण एवं और संकल्प से प्रेरित है, जो जनजातीय क्षेत्रों में उत्तरदायी शासन एवं अंतिम छोर तक सेवा संतृप्ति सुनिश्चित करता है। इस अभियान अंतर्गत जयपुर जिले में 10 ब्लॉकों में 177 गांवों का चयन किया गया है।

भारत के 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 10.5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी नागरिकों का घर है, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्रों में रहते हैं। दशकों के निवेश और अनेक योजनाओं के बावजूद स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आजीविका, जल और शासन-प्रशासन में व्यवस्थागत कमियाँ बनी हुई हैं। माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने इन स्थायी चुनौतियों का समाधान करने और अंतिम छोर तक शासन और जन-केंद्रित विकास के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आदिवासी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर शासन और सेवा वितरण में आमूल-चूल परिवर्तन लाने के मिशन के रूप में आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया है, जिसकी अवधि 2030 तक रखी गई है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

टोंक जनाना अस्पताल में हिजाब विवाद, महिला डॉक्टर और इंटर्न के बीच बहस

टोंक (रॉयल पत्रिका)। जनाना (महिला) अस्पताल, टोंक में सोमवार को हिजाब पहनने को लेकर बड़ा विवाद देखने को मिला। एक इंटर्न मेडिकल छात्रा अपने ड्यूटी के दौरान हिजाब पहनकर अस्पताल पहुंची थी। वरिष्ठ महिला डॉक्टर ने छात्रा से अस्पताल की ड्रेस कोड और मरीजों की सुरक्षा का हवाला देते हुए हिजाब हटाने के लिए कहा। इंटर्न छात्रा ने धार्मिक मान्यताओं के आधार पर हिजाब हटाने से इनकार किया और दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विवाद ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है, जहां कुछ संगठनों और नेताओं ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, तो वहीं कुछ ने अस्पताल के नियमों के पालन पर जोर दिया है। अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि मरीजों और डॉक्टरों की पहचान स्पष्ट रहना जरूरी है, जिससे इलाज के दौरान कोई भ्रम या खतरा न हो। वहीं, मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह धार्मिक स्वतंत्रता का मामला है और छात्रा के अधिकारों का सम्मान होना चाहिए। मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों तक भेज दी गई है और स्थानीय पुलिस विवाद की जांच कर रही है। दोनों पक्षों की दलीलों के बीच अस्पताल की सामान्य कार्यवाही प्रभावित रही। ज्ञात हो कि भारतीय कानून धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा और ड्रेस कोड को भी सर्वोपरि माना जाता है।

हमारी ख्वाहिश एनजीओ द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण सर्टिफिकेट वितरण किए गए

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। हमारी ख्वाहिश एनजीओ राजगढ़ द्वारा मदीना मार्केट स्थित कार्यालय में एक कार्यक्रम के तहत पीएमके वाई कंप्यूटर कोर्स प्रशिक्षित बच्चों को सर्टिफिकेट वितरण किए गए जिसमें मुख्य अतिथि डॉ आमीर जम्मू एंड कश्मीर एवं हमारी ख्वाहिश एनजीओ की अध्यक्षा रिहाना पठान रहे आप ने कहा एक महत्वपूर्ण पहल है जो युवाओं को उद्योग-आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे उन्हें बेहतर आजीविका प्राप्त करने में मदद मिलती है। इस योजना के तहत, सरकार कंप्यूटर और आईटी से संबंधित विभिन्न कोर्सों की पेशकश करती है, जैसे किः कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंगः फील्ड टेक्नीशियन कंप्यूटिंग और पेरिफेरल्स, फील्ड टेक्नीशियन नेटवर्किंग और स्टोरेज सॉफ्टवेयर विकासः जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर, एप्लिकेशन डेवलपर - वेब और मोबाइल आईटी और आईटीईएसः डोमेस्टिक आईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट, सीआरएम डोमेस्टिक वॉइस और नॉन-वॉइस आदि पीएमकेवाई कंप्यूटर प्रशिक्षण के लाभः बहुत है इस अवसर पर डॉ मुमताज , सुमिरमल राजोतिया, अरुण नागोरी, जावेद चौहान, आदि उपस्थित रहे।

हज 2026 की पहली किस्त जमा करवाने की अन्तीम 20 तारीख आज- इमरान खान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सेंट्रल हज कमेरी के द्वारा हज 2026 लाटरी निकलने के बाद एडवास किस्त जमा करवाने की अंतिम तिथि 20 अगस्त निर्धारित कि गई है। राजस्थान स्टेट हज कमेटी के स्टेट इस्पेक्टर 2024 के इमरान सरकेल ने बताया कि इस बार चूरू जिले से 72 हज यात्रियों का चयन हुआ है। हज की पहली किस्त जमा करवाने के साथ आवेदन कर्ता का फिटनेस सर्टीफिकेट व आवेदन 25 अगस्त तक राजस्थान हज हाउस कर्बला मैदान जयपुर में जमा करवाने होंगे सेन्ट्रल हज कमेटी से किस्त जमा करवाने की अंतिम तारीख 20 अगस्त है। और आगे तारीख बढ़ाने की भी मांग की गई है।

रूणचे धाम पैदल यात्रिओं का कांग्रेसजनों ने किया स्वाग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देषानुसार शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चूरू एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चूरू के संयुक्त तत्वाधान में को देर शाम को हर वर्ष की तरह जिला स्टेडियम के सामने कांग्रेसजनों ने रूणेचा दर्षन के लिए जाने वाले बाबा रामदेव पैदल यात्रिओं का माल्यार्पण के माध्यम से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा पानी पिलाकर एवं बिस्कुट वितरण किए गए। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खान, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, लालचंद सैनी, अबरार खान, रमजान खान, शिवकुमार शर्मा, अली मोहम्मद भाटी, अंजनी शर्मा, असलम खां मोयल, अजीज खान, आबिद जाबासरिया, रामेष्वर नायक, सुनिता कपुरिया, संजय भाटी, लीलाधर चुलेट, समीउल्लाह गौरी, तारिख नागौरी, खालिद कुरेषी, तोफिक खान, सलीम पीए, शंकर चंदेलिया, बालीबाई, विजय सारस्वत, विनोद सैनी, जितेन्द्र शर्मा, सबीर खां, अब्बास खां, विनोद गहलोत, दिपीका सोनी, दिपीका सैन सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहें।

एक स्थाई वांरटी गिरफ्तार

सरदार शहर (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि अपराधों की रोकथाम एवं फरार अपराधियों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक महोदय बीकानेर रेंज बीकानेर के निर्देशानुसार अति० पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल व वृताधिकारी सरदारशहर सत्यपाल गोदारा आरपीएस के सुपर विजन में थानाधिकारी सरदारशहर मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व मे वांछित अपराधियों की गिरफतारी हेतु गठित स्पेशल टीम संजय बसेरा , मंगलसिंह के द्वारा अथक प्रयास व लम्बे समय से तलाश करते हुये पल्लु, नोहर, रावतसर मे दबीस दी जाकर चैक अनादरण के मामले मे 06 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी विकाश कुमार पुत्र हिरालाल जाति स्वामी उम्र 42 साल नि० वार्ड न0 06 रावतसर को रावतसर थाना ईलाका से गिरफ्तार किया है।

डिडायच विद्यालय को विकास हेतु मिला 11 लाख का जन सहयोग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा जिले में संचालित अभिनव कार्यक्रम "भविष्य की उड़ान" ओर "कर्म भूमि से मातृ भूमि" निरंतर सकारात्मक परिणाम दे रहे है। शिक्षा विभाग, ग्रामवासियों एवं भामाशाहों के सामूहिक प्रयास से दोनों कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं भौतिक विकास हेतु सशक्त उदाहरण बन रहे है।

इसी प्रेरणा से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डिडायच के स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने मिलकर 11 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत विद्यालय के आधारभूत ढांचे के विकास हेतु एकत्रित की है। यह राशि मंगलवार को जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरकेश लाल मीना की उपस्थिति में ग्रामीणों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिप्रसाद मीना को सुपुर्द की। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी हरकेश लाल मीना ने भामाशाहों की पहल की सराहना करते हुए इसे अन्य लोगों के लिए अनुकरणीय बताया। भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि डिडायच गांव में भामाशाहों का यह योगदान विद्यालय के भौतिक विकास के साथ साथ गांव में शैक्षणिक माहौल बनाने में कारगर साबित होगा।

प्रधानाचार्य हरिप्रसाद मीना ने बताया कि विद्यालय विकास हेतु जन सहयोग से एकत्रित 11 लाख रुपए की राशि विद्यालय को प्राप्त हो चुकी है उक्त राशि में 2 लाख विद्यालय में कार्यरत स्टाफ से एवं 9 लाख रुपए ग्रामीणों से प्राप्त हुई है प्राप्त राशि का चैक आगामी दिवसों में जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री जनसहभागिता योजना के तहत जमा करवाया जावेगा। जिससे मुख्य मंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजनामद के रूप में 60 प्रतिशत अंशदान 16 लाख 50 हजार रुपए अतिरिक्त अनुदान के रूप में विद्यालय को मिलेंगे। इस प्रकार कुल 27 लाख 50 हजार रुपए की राशि विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति के माध्यम से विद्यालय में कक्षा कक्ष निर्माण, भवन मरम्मत व विद्यालय सौंदर्यकरण सहित अन्य भौतिक विकास कार्यों में उपयोग की जाएगी।

जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने, विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। "भविष्य की उड़ान" एवं "मातृभूमि से कर्म भूमि की ओर" कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता बढ़ रही है, बल्कि जनसहभागिता की भावना भी सशक्त हो रही है।

इस अवसर पर भामाशाह सरपंच हंसराज बैरवा, विजय मीना, मोहित मीना, जंसीलाल मीना, दांताराम मीना, हंसराज मीना, रूपनारायण मीना, कमलेश मीना पूर्व सरपंच, विकास बैरवा, स्टाफ सदस्य, आरपी मुकेश मीना, अध्यापक ओम प्रकाश मीना सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख आई टी एम.एन.सी. कम्पनी इन टाइम टेक के पूल कैम्पस ड्राइव में 19 विद्यार्थियों का चयन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज (गिट्स) में प्रमुख एम.एन.सी. आई टी कम्पनी इन टाइम टेक के पूल ड्राइव कैम्पस ड्राइव में 19 विद्यार्थियों का का जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर चयन हुआ। इस पूल कैंपस ड्राइव में उदयपुर संभाग के नामचिन महाविद्यालयों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. एम. प्रसन्ना कुमार ने बताया कि इन टाइम टेक 2009 से वेब डेवलपमेंट, मोबाइल डेवलपमेंट, क्लाउड कम्प्यूटिंग एम्बेडेड डेवलपमेंट, आटोमेटेड टेस्टिंग आदि के क्षेत्र में यू.एस., इण्डिया, नीदरलैंड सहित विश्व के प्रमुख शहरों में ए.आई., एम.एल. साइबर सिक्योरिटी और मोबाइल कम्प्यूटर एप्लीकेशन पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। गिट्स में आगामी सत्र 2026 में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का प्लेसमेंट अभी से शुरू हो गया हैं। यह पूल कैंपस ड्राइव में गिट्स के साथ-साथ सी.टी.ए.ई उदयपुर एवं टेक्नो व टेक्नो इण्डिया के कम्प्यूटर साईंस इन्जिनियरिंग विभाग के 19 विद्यार्थी अक्षित नलवाया, लक्षित पालीवाल, गुंजन शेखावत, निशांत मेनारिया, साक्षी सोनी, आकाश सोनी, हेमन्त बगारिया, जितेन्द्र तेली, पार्थ शर्मा, चार्वी बापना, शिवम प्रताप, स्निग्धा गुप्ता, हर्षित बोराना, दिव्यांशी श्रीमाली, फातिमा बोहरा, मुग्ध माथुर, हर्षवर्धन सोनी, विशाल मेनारिया एवं शिवम मिश्रा का चयन जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर किया। वित्त नियंत्रक बी.एल. जांगिड़ ने चयनित विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

उदयपुर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। संस्थान के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट हैड डॉ. अरविन्द सिंह पेमावत ने बताया कि इस पूल कैंपस ड्राइव में उदयपुर संभाग के प्रमुख महाविद्यालयाने से 250 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया। 02 दिन तक चलने वाले इस कैंपस ड्राइव में इन टाइम टेक से आये कंपनी ऑफिसियल्स इन्जिनियरिंग डायरेक्टर कपिल पालीवाल एवं एच. आर. संस्कृति बैरागी व उनकी टीम ने रीजनिंग एप्टीट्यूड परीक्षा, टेक्निकल इंटरव्यू एवं एच. आर. के माध्यम से गिट्स, तथा सी.टी.ए.ई उदयपुर

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ

पाली (रॉयल पत्रिका)। दीप विद्या आश्रम सेंकेडरी स्कूल जालोरी दरवाजा पाली में भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वाधान में "गुरु वंदन – छात्र अभिनंदन" कार्यक्रम विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गाया है। भारत विकास परिषद की जानिब से कार्यक्रम में हरि गोपाल सोनी, जय शंकर त्रिवेदी, दीप विद्या आश्रम के निदेशक कमल जैन, अकरम खान, तरुण शर्मा, स्वेत यादव, सुमन लोहिया, रेखा कुमावत, निखिल चोपड़ा, खुशबू अंसारी, कायनात खिलजी, रेखा दमानी एवं निलम दवे ने बालकों को सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण पर विस्तार से लाभांवित किया। कक्षा पंचम की शाहिस्ता परवीन ने गुरु वंदन छात्र अभिनंदन पर भाषण देकर सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय के बालकों द्वारा सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को श्रीफल देकर आशिर्वाद प्राप्त किया। भारत विकास परिषद की जानिब से विद्यालय के पांच अनुशासित बालकों को प्रसंशा पत्र और पारितोषिक देकर अभिनंदन किया गया।मंच संचालन श्रीमती वैभवी रंगवानी ने किया ।

जिला कलक्टर के सख्त निर्देश, ओवरलोड बाल वाहिनी वाहनों पर होगी कार्यवाही

-शाहबाद घाटी में भूस्खलन रोकने के लिए प्रस्ताव तैयार

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मिनी सचिवालय सभागार में बैठक लेकर परिवहन व्यवस्था, सड़क सुरक्षा एवं अवसंरचना से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि वैन एवं ऑटो जैसी बालवाहिनी वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में जिला रोल आउट मैनेजर ने अवगत कराया कि कॉलेज रोड क्षेत्र में महाविद्यालय एवं अस्पताल स्थित होने से भीड़भाड़ अधिक रहने व वाहनों की अधिक आवाजाही से दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इस पर जिला कलक्टर ने नगर परिषद को विभागीय मानकों के अनुरूप 7 दिवस में स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने एन.एच. 27 पर शाहबाद घाटी में बार-बार होने वाली भूस्खलन की घटनाओं को रोकने के लिए परियोजना निदेशक, एन.एच.ए.आई. ग्वालियर को एक्सट्रा लाइन निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त भंवरगढ़ से नाहरगढ़ मार्ग पर घूम क्षेत्र में सड़क मरम्मत एवं सेफ्टीवाल निर्माण के लिए निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता खंड शाहबाद को कार्यवाही करने के आदेश दिए गए।

जिला परिवहन अधिकारी एवं पुलिस को भी निर्देशित किया गया कि कवाई कस्बे में ओवरलोड वाहनों पर चालान कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और विभागीय अधिकारी समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में एएसपी राजेश चौधरी, डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, पीडब्ल्यूडी एसई राजवीर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान में संचालित शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शिक्षा विभाग में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रकोष्ठ के समन्वयक एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने छात्राओं को ग्रेवांस सेल की पूरी जानकारी दी और बताया कि शिकायत निवारण प्रकोष्ठ किसी भी संगठन, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय या कंपनी के कर्मचारियों, छात्रों, या ग्राहकों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए काम करता है। किसी भी विद्यार्थी को लगता है कि उसके साथ भेदभाव हो रहा है, तो वह ग्रेवांस सेल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। उन्होंने शिकायत दर्ज करने के तीन सोपानों पर चर्चा की और बताया कि सर्वप्रथम विद्यार्थी को अपनी समस्या अपने क्लास टीचर के समक्ष रखनी चाहिए। वहां समाधान नहीं होने पर उन्हें अपनी समस्या विभागाध्यक्ष के समक्ष रखनी चाहिए। दोनों ही जगह अवगत करवाने के पश्चात् भी समस्या बनी रहे, तो वे अपनी समस्या को शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को लिखित एवं मौखिक किसी भी रूप में दर्ज करा सकता है। शिकायत निवारण प्रकोष्ठ शिकायत का समाधान के लिए सदैव कोशिश करता है। शिकायत का समाधान चाहे मध्यस्थता के माध्यम से हो या उचित कार्रवाई करके हो, उसका हल अवश्य किया जता है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. बीएल जैन ने सम्बोधित करते हुए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला और इस प्रकोष्ठ को विद्यार्थी जीवन के हितार्थ महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. गिरधारी लाल शर्मा, डॉ. अमिता जैन, डॉ. गिरिराज भोजक, सुश्री स्नेहा शर्मा आदि संकाय सदस्य एवं छात्राध्यापिनकाएं उपस्थित रहीं।

उर्स-ए-आला हजरत के दौरान जुलूस का पोस्टर विमोचन किया

-शिक्षा एवं तालीम पर जोर दें एवं सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाए- सय्यद नूर मियां

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर कमेटी के सरपरस्त नूरुद्दीन ने बताया कि फेजाने गोशे आजम तेबा कमेटी द्वारा आयोजित मिरासी कॉलोनी में जश्ने आला हजरत मनाया गया। मुख्य वक्ता सैयद नूर मियां अशरफ द्वारा दिए गए संबोधन में शिक्षा व दीनितालीम पर जोर देते हुए सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ डटकर खड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर सैयद नूर मियां अशरफ, मौलाना साजिद हुसैन, मौलाना अदनान अशरफी, मौलाना हाफिज जावेद, मुफ्ती बशीर अहमद, फिरोज हशमती, नातख्वख एजाज अहमद, नसीम अली के हाथों पोस्टर विमोचन करवाया गया। आसिफ नुरी ओर साजिद खान ने बताया कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी जुलूस पुरी तरह सादगी, अदबों एहतराम से निकाला जाएगा इस बार जुलूस जुम्मे को भी आ सकता है जुम्मे की नमाज का ख्याल रखते हुए आमजन से अपील की गई कि सुबह 7 बजे हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह पर शिरकत करें ताकि सुबह 8:00 बजे मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी द्वारा हरी झंडी दिखाकर ओलमा-ए-अहले सुन्नत की देखरेख में जुलूस अपने तय समय पर ईदगाह जाकर सामूहिक जुम्मे की नमाज एवं दुआ का हिस्सा बन सके इसकी तैयारीयों के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटी गई हैं। कोषाध्यक्ष रहीमुद्दीन कादरी और शाहरुख भुरजी ने बताया कि इस दौरान फैजाने गोशे-ए-आजम तेबा कमेटी, आशिकाने रसूल कमेटी, ओलमा-ए-अहले सुन्नत जोधपुर, सर परस्त नूरुद्दीन, रहीमुद्दीन कादरी (बाबू), करीमुद्दीन (चंदा), इरशाद अत्तारी, (मोनू), मोहसिन अत्तारी, भूरू (मीर), रियाज (मीर), सोहिल अब्बासी, लियाकत नूरी, समीर नूरी, फिरोज शाह, आजाद रजवी, समीर रजवी, सोहेल नूरी, फरदीन खान, शाहिल नूरी, अशफाक अशरफी, जमीलउद्दीन ओवैसी, अयूब नूरी, सलमान कादरी, महबूब मीर, अजीज मीर, आरिफ फौजदार, अरमान लोहार, अरबाज मीर, समीर घोसी आदि उपस्थित रहे।

पौने 2 साल में भाजपा सरकार ने 1 भी राजस्थानी फिल्म को अनुदान नहीं दिया

-राजस्थानी सिनेमा और खुद सरकार के लिए यह कोई सुखद संकेत नहीं है

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया है। शेखावत ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार को 2 वर्ष होने को हैं, परन्तु दुर्भाग्य की बात है कि इन पौने 2 साल में भाजपा सरकार ने 1 भी राजस्थानी फिल्म को अनुदान नहीं दिया है। कला एवं संस्कृति विभाग है, मंत्री हैं, अधिकारी हैं, कर्मचारी हैं, वेतन भी समय पर मिलता है, कहते हैं कि बजट की भी कोई कमी नहीं है, तो फिर ये सब किसके लिए है?राजस्थानी सिनेमा के भले के लिए तो एक रुपए का भी काम किया हो तो सौगंध लगे इनको। कुल मिलाकर कांग्रेस सरकार की तरह भाजपा सरकार की ढीली नीति के कारण फिल्म निर्माता बहुत दुखी हैं। दर्जनों राजस्थानी फिल्में अनुदान के लिए सचिवालय में कला एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों के पास पड़ी हैं। अनुदान कमेटी की बैठक तक नहीं हो रही है, फिल्मों का प्रीव्यू कौन करे। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ही कला एवं संस्कृति मंत्री हैं, उसके बाद भी इतनी ढ़िलाई समझ से बाहर है। खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भी इस तरफ कोई ध्यान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार बार कह रहे हैं कि वंचितों को लाभान्वित करो। फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऐसे में राजस्थान सरकार को चाहिए कि कांग्रेस सरकार द्वारा मनमानी करके वंचित रखी गई सभी राजस्थानी फिल्मों को उचित अनुदान राशि जारी करे, साथ ही इस सरकार के कार्यकाल में आई राजस्थानी फिल्मों का तुरंत प्रीव्यू करवाकर अनुदान राशि देवें। ताकि मोदी जी की भावनाओं को सम्मान मिल सके। अब तक एक भी राजस्थानी फिल्म को अनुदान नहीं दिया जाना सरकार की अनदेखी और लापरवाही को ही उजागर कर रहा है। शेखावत ने कहा कि राजस्थानी सिनेमा और खुद राजस्थान सरकार के लिए यह कोई सुखद संकेत नहीं है। संबंधित लोगों को अपनी छाती पर हाथ रखकर सोचना चाहिए कि वे राजस्थानी सिनेमा के साथ इतना घोर अन्याय क्यों कर रहे हैं? अनुदान के इंतजार में बैठे फिल्म निर्माता तो अब इनका हरजस करने को तैयार हैं, जैसे कांग्रेस वालों के किए थे।

भाजपा की जिला संगठन बैठक आज

-वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी रहेंगे उपस्थित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर की संगठनात्मक बैठक कल जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में गंगापुर सिटी में आयोजित होगी। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि संगठन की बैठक गंगापुर सिटी स्थित होटल पार्थ में प्रात:11 बजे आयोजित होगी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा, खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल उपस्थित रहेंगे। संगठनात्मक बैठक में पार्टी द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर योजना तैयार की जाएगी एवं जन जन तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने को लेकर चर्चा होगी। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मोर्चा जिलाध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, वर्तमान एवं पूर्व जिला प्रमुख, प्रधान, सभापति एवं विशेष सदस्य रहेंगे ।

कजली तीज मेले में बाल सुरक्षा को समर्पित चाइल्डं हेल्प डेस्क 1098 की स्थापना

- बाल श्रम और भिक्षावृत्ति पर रहेगी नजर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। शहर के प्रसिद्ध कजली तीज मेले में बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष सीमा पोद्दार के विशेष प्रयासों और नगर परिषद आयुक्त के सहयोग से, मेला पुलिस चौकी के पास बाल अधिकारिता विभाग द्वारा चाइल्ड हेल्प डेस्क 1098 की स्थापना की गई है। डेस्क का मुख्य उद्देश्य मेले में बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, गुमशुदा बच्चों, बाल तस्करी और बाल शोषण जैसी गंभीर समस्याओं की रोकथाम करना हैं। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक हुकमचंद जाजौरिया ने बताया कि यह हेल्प डेस्क मेले में आने वाले लोगों और दुकानदारों के बीच जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। डेस्क पर मौजूद टीम लोगों को बाल विवाह, बाल

श्रम और बाल यौन शोषण के खिलाफ जागरूक करेगी और उनसे इन कुरीतियों को रोकने हेतु संकल्प पत्र भी भरवाएगी। चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 के समन्वयक रामनारायण गुर्जर एवं बाल अधिकारिता विभाग के कनिष्ठ लिपिक सरफराज आलम ने डेस्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह हेल्प डेस्क पूरे मेला अवधि के दौरान दोपहर 2 बजे से लेकर देर रात 10-11 बजे तक कार्यशील रहेगी।

यह होंगी हेल्प डेस्क की प्रमुख जिम्मेदारियां

मेले में खोए हुए बच्चों को तुरंत उनके परिवार से मिलाने की कार्यवाही करना। मानव तस्करी विरोधी यूनिट के साथ मिलकर दुकानदारों और नियोक्ताओं को बाल श्रम न कराने के लिए जागरूक करना। समझाइश से न मानने पर बच्चों का रेस्क्यू भी किया जाएगा। बच्चों से संबंधित किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल सुरक्षा और सहायता प्रदान करना डेस्क की प्रमुख जिम्मेदारियां होंगी।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शिक्षा के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका

-नई शिक्षा नीति समग्र विकास की वाहक- राठौड़

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा कि हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एचपीसी आज समय की जरूरत है। वर्ष 2047 तक शिक्षित भारत का संकल्प शिक्षा के द्वारा ही संभव है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं एनसीईआरटी के परफॉरमेंस असेसमेंट, रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर होलिस्टिक डवलपमेंट परख के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। यह कार्यशाला 18 से 22 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। बोर्ड प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ ने संबोधन में कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना शिक्षा के द्वारा ही संभव है और इसमें शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से क्रांतिकारी बदलाव से वर्चुअल टीचर्स विकसित हो रहे हैं ऐसे में शिक्षकों को अपनी भूमिका बदलने की आवश्यकता है। नवीन शिक्षा नीति के अनुसार मूल्यांकन

अब अंको के साथ विद्यार्थियों की समग्र क्षमताओं और जीवन कौशल को भी परिलक्षित करेगा। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड विद्यार्थियों की शिक्षा यात्रा को सम्पूर्ण रूप में दर्शाता है जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ जीवन कौशल, अभिरुचि और व्यक्तित्व विकास के पहलुओं को भी महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव सभ्यता के इतिहास का अहम कारक रही है और विश्व में बड़े परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक भी शिक्षा ही है। उन्होंने इस पहल को एनसीईआरटी एवं बोर्ड की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रशिक्षण के उद्देश्य को गंभीरता से ग्रहण कर प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस अवसर का सदुपयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के वाहक बनें। उन्होंने कहा कि इस पांच दिवसीय कार्यशाला से शिक्षकों में समग्र मूल्यांकन की अवधारणा के प्रति गहरी समझ और दक्षता विकसित होगी तथा पूरे प्रदेश में एक समान प्रश्न पत्र टेम्पलेट प्रणाली और समग्र प्रगति पत्र लागू करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डार्विन के सिद्धांत के अनुसार प्रकृति में बदलाव को अपनाने की अधिक क्षमता रखने वाले की सफलता की अधिक संभावना रहती है और शिक्षा जगत में भी परिवर्तन को अपनाने की क्षमता ही आगे बढ़ने का आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव होंगे और शिक्षकों को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

न्यून प्रगति में तेजी लाने के निर्देश: जिला कलक्टर सिंह

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने न्यून कार्य प्रगति वाले विभागों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश सोमवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, एवीएनएल, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, उद्योग, सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, राजीविका, श्रम विभाग, नगर परिषद, रसद सहित समस्त विभाग की विभाग की गतिविधियों, क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा जिन विभागों में कार्य प्रगति न्यून है उसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने समस्त अधिकारियों को बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं त्यागने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों के द्वारा जर्जर भवनों की की गई सर्वे की रिपोर्ट भिजवाने, जिला चिकित्सालय में फीडर चालू करवाने, टूटी हुई सड़क की मरम्मत करवाने, नगर परिषद को जर्जर भवनों की तामील करवाने, पीएम स्वनिधी योजना में प्रगति लाने आदि के निर्देश दिए।

उन्होंने बैठक में एग्रीकल्चर कनेक्शन, मौसमी बीमारियों के लिए दवाई की उपलब्धता, जांच मशीनें, आयुष्मान कार्ड वितरण, जल संसाधन विभाग से जिले में विभिन्न बांधों की भराव क्षमता स्थिति, शिक्षा विभाग में जर्जर भवन की सर्वे रिपोर्ट, एवीएनएल को अधिकारियों को मुस्तैदी से कार्य करने तथा कोताही बरतने पर कार्रवाई करने आदि के निर्देश दिए। उन्होंने मानसून को देखते हुए पूर्ण सतर्कता बरतने, संपर्क पोर्टल पर एवरेस्ट डिस्पोजल टाइम तथा सेटिस्फेक्शन रेट में प्रगति लाने, ई फाइल एवं ई डाक निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने उपचुनाव के मद्देनजर समस्त प्रकोष्ठ प्रभारी को अपनी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में 26 लाख से अधिक सक्षम लाभार्थियों ने छोड़ा खाद्य सुरक्षा का लाभ

-राज्य में लगभग 53 लाख पात्र लाभार्थी नए पात्रों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य भर में 1 नवम्बर 2024 से खाद्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ गिवअप अभियान के तहत अब तक 26 लाख 7 हजार 969 लोगो द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा गया। इसके अतिरिक्त लगभग 27 लाख से अधिक लोगो को ईकेवाईसी नहीं कराने के कारण योजना से हटा दिया गया है। इसके परिणाम स्वरूप राज्य में लगभग 53 लाख पात्र लाभार्थी नए पात्रों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा चुका है। राज्य सरकार निरंतर सभी पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में एनएफएसए के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीलिंग है। यह संख्या पूरी हो जाने के कारण नए पात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इसे देखते हुए सरकार द्वारा गिव अप अभियान की पहल की गई, जो आगामी 31 अगस्त 2025 तक चलाया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं बनी गरीबों का संबल

राजस्थान के मुख्यमंत्री माननीय भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य में राशन डीलर का कमीशन बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर समय पर भुगतान किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत न केवल खाद्य संबंधी लाभ परंतु चार तरह के लाभ पात्र व्यक्तियों को दिए जा रहे है। इसके तहत पात्र लाभार्थियों को 450 रूपये प्रति सिलेंडर प्रतिवर्ष, 12 एलपीजी सिलेंडर, 5 किलो गेहूं प्रति व्यक्ति, मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख का बीमा कवर और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल रही है। बजट 2025-26 में घोषित 10 लाख नए लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य पहले ही पूर्ण कर लिया गया है। यह अभियान न केवल खाद्य सुरक्षा बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं सक्षम आम नागरिकों से स्वयं गिव अप कर गौरव से स्वयं सक्षम बताते हुए समाज को प्रेरित करने का आह्वान किया गया है। एपीएल का कोई भी परिवार 850 रूपये वार्षिक प्रीमियम का भुगतान कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त कर 25 लाख रूपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकता है।

लोहागल से जनाना अस्पताल तक 6 लेन बनेगी सड़क

-20.28 करोड़ आएगी लागत विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया निर्माण कार्य का शुभारम्भ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सीकर, परबतसर और पुष्कर बाइपास सहित जनाना अस्पताल जाने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही लोहागल तिराहे से जनाना अस्पताल 6 लेन सड़क कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यह सड़क 20.28 करोड़ रूपये की लागत से बनेगी। इसमें डामर व सीसी सड़क, नालियां व डिवाइडर बनाएं जाएंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की यह सड़क जनाना अस्पताल जाने वाली मुख्य सड़क है। अस्पताल जाने वाली गर्भवती महिलाओं को सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शास्त्री नगर से लोहागल तिराहे तक सड़क सुधारी जा चुकी है। आगे की सड़क क्षतिग्रस्त होने, झटके लगने, और खड्डे होने से गर्भवती महिलाओं को परेशानी होती है। साथ ही यह सड़क सीकर, परबतसर, नागौर और पुष्कर बाईपास पर आने जाने वाले वाहनों और इस रोड पर पड़ने वाले दर्जनों

गांवों के लिए भी महत्वपूर्ण रोड है। ऐसे में इस सड़क को सुधारा जाना अति आवश्यक था। देवनानी ने कहा कि अजमेर आज एक नई करवट ले रहा है। लोहागल क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किए जा चुके हैं। ग्राम के विद्यालय के कायाकल्प से लेकर राज्य के चुनिंदा संस्कृत कॉलेजों में से एक यहीं खोला गया है। क्षेत्र को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए बीसलपुर लाइन से जल भंडारण के लिए लोहागल में बड़ा रिजर्वायर बनाया जाएगा। इसी प्रकार कोटड़ा एवं फॉयसागर में भी रिजर्वायर बनाया जाएगा। इन तीनों रिजर्वायर के माध्यम से अजमेर उत्तर को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही अजमेर को बीसलपुर से 5 टीएमसी से बढ़ाकर 7.5 टीएमसी जल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर में विद्त आपूर्ति के लिए गैस आधारित जीएसएस भी स्थापित किया जाएगा। आमजन की सुविधाओं के लिए जल, विद्त और सड़क जैसे मूलभूत विकास कार्य प्राथमिकता पर किए जा रहे हैं। यह सड़क राजमार्ग के समकक्ष होगी और नागौर आने-जाने वाले आगंतुकों के लिए यह एक नया बदलता अजमेर प्रस्तुत करेगी। डिवाइडर और नालों सहित यह सड़क 20 करोड़ की लागत से निर्मित होगी। इसका निर्माण कार्य भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्ष में ही अजमेर में करोड़ों रूपए की लागत से सड़कों और नालों का निर्माण कार्य किया गया है।

महिला कृषकों का दल जोधपुर रवाना

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। आत्मा योजनान्तर्गत जिले की विभिन्न पंचायत समितियों से कुल 30 महिला कृषकों का नवीनतम तकनीकियों के प्रशिक्षण हेतु एक प्रशिक्षण दल (30 महिला कृषक) 5 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण हेतु किसान कौशल विकास केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिये प्रस्थान किया। कृषक प्रशिक्षण दल को प्रदीप शर्मा सहायक निदेशक उद्यान, सुरजीत कुमार सहायक निदेशक कृषि, छोटू राम सहायक कृषि अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर भ्रमण हेतु बस को रवाना किया। समस्त महिला कृषक किसान कौशल विकास केन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में सतत् कृषि के लिए उन्नत हाइटेक बागवानी विषय पर हाईटैक आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त महिला कृषक दल कृषि कॉलेज तथा प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के खेतों का भी भ्रमण करेंगे। कृषक दल के प्रभारी सुदेश कुमार उप परियोजना निदेशक आत्मा एवं सहप्रभारी रीमा मुंजाल कृषि पर्यवेक्षक भी कृषक प्रशिक्षण व भ्रमण हेतु साथ रहेंगे। महिला कृषकों को जहर मुक्त खेती की सम्पूर्ण जानकारी से अवगत करवाया जायेगा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

-प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ कार्य करने के निर्देश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने आरयूडीआईपी को प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश सड़क सुरक्षा समिति के मासिक बैठक में सड़कों की मरम्मत की समीक्षा बिंदु पर दिए। बैठक में उन्होंने पीएचईडी विभाग को प्रताप सर्कल के पास विभागीय कार्य के दौरान हुए गड्ढे को सही करवाने, एनएचएआई द्वारा मोड पर क्रैच बैरियर पर रेडियम पेंट करवाने, बिछीवाड़ा बाईपास पर नए बोर्ड लगवाने, जिला मुख्यालय मोर्चरी मोड पर खुदी कोई सड़क ठीक करवाने के निर्देश दिए। साथ ही जिन विभागों के अंतर्गत आने वाली सड़कों पर पानी भर रहा हो ऐसी सड़कों की सूची देने के निर्देश दिए। बैठक में पीडब्ल्यूडी एनएच को सागवाड़ा सड़क पर पड़े मलबे को हटवाने के निर्देश

दिए। साथ ही हाईवे पर होने वाली घटनाओं की सूचना भी देने के लिए निर्देशित किया। बैठक में उन्होंने गलियां कोर्ट से चिखली रोड पर झाड़ियां को हटवाने, चिकित्सालय मार्ग पर पोल पर लगी झाड़ियां हटवाने, जहां-जहां पर झाड़ियां है, उन्हें हटवाने, मरम्मत करवाने, क्षतिग्रस्त पोल सही करवाने, आवश्यक स्थान पर संकेतक लगवाने, रेडियम पेंट करवाने आदि के निर्देश दिए। बैठक में मोटर वाहन एक्ट के तहत हुई कार्यवाही, ओवरलोड वाहनों की जुर्माना वसूली, वाहन चालकों की आंख की जांच, यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध कार्यवाही, थानों में लंबित प्रकरण की रिपोर्ट, अतिक्रमण हटाने आदि के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने शिक्षा विभाग को सीनियर सेकेंडरी स्कूल से जागरूकता कार्यक्रमों की शुरुआत करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक के प्रारंभ में पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता ने गत बैठक के अनुकलना रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान सभी संबंधित विभागीय कार्यक्रम मौजूद रहे ।

संयुक्त निदेशक ने महिला आईटीआई के कार्मिकों को किया सम्मानित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। माखुपुरा स्थित राजकीय महिला आईटीआई के समूह अनुदेशक रविंद्र सिंह रावत एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी सुरेश चंद रैगर को प्राविधिक शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक श्याम बाबू माथुर ने विभाग में उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित किया। माथुर ने बताया कि इन दोनों कार्मिकों ने महिला आईटीआई में सराहनीय कार्य किए है। इन्हे संभाग स्तर पर सम्मानित किया गया है।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की स्थिति, जन शिकायतों के निस्तारण, राज्य एवं केन्द्र सरकार के पोर्टलों पर दर्ज प्रकरणों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला कलक्टर लोक बन्धु ने विभागवार समीक्षा करते हुए ई-फाइल एवं डाक, संपर्क पोर्टल, सीपीग्राम्स पोर्टल पर प्राप्त जन समस्याओं के निस्तारण, औसत निस्तारण समय में सुधार और 30 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने औसत निस्तारण समय में सुधार के लिए अधिक समय से लंबित प्रकरण का निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य स्तर से संबंधित प्रकरणों पर राज्य स्तर से समन्वय स्थापित कर निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जन सेवाओं से संबंधित कार्यों के निस्तारण में तत्परता से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी जिले के औसत समय में सुधार लाने के प्रयास करे। औसत निस्तारण में ज्यादा समय से जिले के प्रदर्शन खराब होता है। साथ ही संतुष्टि प्रतिशत को परिवादी से परामर्श एवं चर्चा कर बढ़ाने के प्रयास किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला स्तरीय जनसुनवाई के सभी लंबित प्रकरणों का शत प्रतिशत निस्तारण आगामी जनसुनवाई से पूर्व किया जाए। साथ ही शेष रहे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय एवं भारत सरकार के पोर्टलों से प्राप्त शिकायतों की निगरानी जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें। इसमें भी 30 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। अंतर्विभागीय समन्वय के तहत भूमि आवंटन एवं अन्य मुद्दों का समाधान शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-फाइल का उपयोग अधिकतम किया जाए। ऑफलाइन समस्त कार्य ऑनलाइन प्रक्रिया से सम्पादित किया जाए। विभाग से संबंधित प्रत्येक स्तर पर अधिकारी फाइल एवं डाक की पेंडेंसी की मॉनिटरिंग करेंगे। ई फाइल पेंडेंसी , निस्तारण समय एवं समग्र संख्या की समीक्षा की जाएगी। साथ ही कार्यालय में ई-फाईल के संबंध में प्रशिक्षण की आवश्यकता होने पर प्रशिक्षण दिया जाए। जिला कलक्टर ने जनकल्याणकारी योजनाओं की जिलेवार रैंकिंग सूची में जिले के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाया जाए।

सम्पर्क पोर्टल पर परिवादों का निस्तारण सुनिश्चित करें -जिला कलक्टर

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री निशुल्कः दवा एवं जांच योजना, जल जीवन मिशन, आरडीएसएस योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना, मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत 2.0, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कोषाधिकारी भूपेन्द्र मकवाना, सीएमएचओ डॉ. भेराराम जाणी, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक भगवानाराम चौधरी सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समयबद्ध रूप से प्रयास करें-जिला कलक्टर

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जालोर जिले में 17 संवहनीय विकास लक्ष्य-2030 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय एसडीजी क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए संबधित विभागों के अधिकारियों को निर्देषित करते हुए कहा कि लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समयबद्ध रुप से प्रयास करें जिससे जिला राज्य स्तरीय श्रेणीयन में अग्रणी जिलों में स्थान प्राप्त कर सकें। बैठक में सदस्य सचिव एवं आर्थिक

एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित ने 17 संवहनीय विकास लक्ष्यों का परिचय देते हुए जिला संकेतक फ्रेमवर्क-2025 को प्ररस्तुत करते हुए भी बताया कि राजस्थान एसडीजी इनडेक्स-2024 में 14 लक्ष्यों के 95 इंडीकेटर्स पर जालोर जिले का राजस्थान की जिलेवार रैंकिंग में 4 अकां के सुधार के साथ 15वॉ स्थान रहा है। बैठक के दौरान सांख्यिकी अधिकारी किषन सिंह ने सतत् विकास लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समीक्षा के लिए जिला संकेतक फ्रेमवर्क को विभागवार जिला स्तरीय एसडीजी कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया साथ ही सतत् विकास लक्ष्यों को अर्जित करने में जिला संकेतक फ्रेमवर्क की भूमिका के बारे में जानकारी दी। बैठक में डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता माधाराम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम, सूचना प्रौद्योगिकी ।

थामा में अंधेरे के बादशाह से टकराएंगे आयुष्मान

मुंबई। मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा से अब आयुष्मान खुराना समेत फिल्म की पूरी कास्ट का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। साथ ही कौन किस किरादर में नजर आएगा, इसकी भी जानकारी सामने आ गई है। फर्स्ट लुक के सामने आने के बाद अब फिल्म को लेकर लोगों में उत्साह और भी बढ़ गया है। मेकर्स ने फिल्म से आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल के लुक रिवील किए हैं। फिल्म में आयुष्मान खुराना आलोक के किरदार में नजर आएंगे, जो इंसानियत की आखिरी उम्मीद है।

लाइफ Style

रश्मिका

न्यूयॉर्क की गलियों में छाया साउथ का जलवा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साउथ इंडस्ट्री के दो पॉपुलर स्टार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा रविवार को न्यूयॉर्क शहर में 43वें इंडिया डे परेड के दौरान साथ देखे गए हैं। दोनों के यूं साथ किया गया है। ऐसे में लोग दोनों के रिश्ते को लेकर कयास लगाने लगे हैं।

एक्टिंग की दुनिया में दो स्टार का साथ नजर आना कई बार मुसीबत बन जाता है। खासतौर पर जब दोनों के पहले से ही अफेयर के किस्से सामने आ रहे हों, ऐसा ही कुछ साउथ के जाने माने स्टार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के साथ भी हुआ है। दोनों को साथ में देखा गया है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा साउथ इंडस्ट्री की सुपरहिट जोड़ी में से एक हैं। दोनों को साथ में देखने के बाद लोगों ने इनके रिश्ते में होने के कयास फिर से लगाने हैं। बीते दिन रविवार 17 अगस्त को दोनों न्यूयॉर्क शहर में हुई 43वीं इंडिया डे परेड में साथ नजर आए थे। जैसे ही दोनों साथ दिखे, सोशल मीडिया पर इनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गईं। इससे पहले भी दोनों अपने अफेयर को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। लेकिन, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की। हमेशा बताया कि दोनों अच्छे दोस्त हैं। 43वीं इंडिया डे परेड में रश्मिका और विजय की कई फोटोज और वीडियो सामने आए हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस दौरान विजय को रश्मिका का खास ख्याल रखते हुए भी देखा गया. यही वजह है कि फैंस फिर से मान बैठे कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

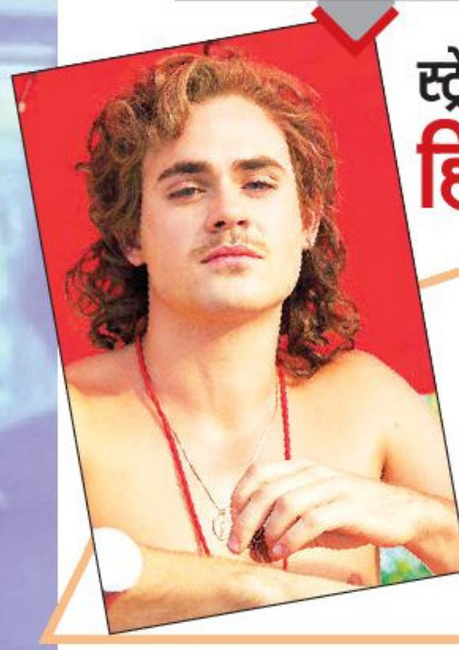

स्ट्रेंजर थिंग्स का हिस्सा नहीं

लॉस एंजिल्स। नेटफ्लिक्स की मच टॉक्ड अबाउट वेब सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' अपने अंतिम अध्याय की ओर बढ़ रही है और दुनिया भर के फैंस की तरह अब इस शो के पूर्व एक्टर डेकर मोंटगोमरी भी इसके आखिरी सीजन को देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। सीरीज के दूसरे और तीसरे सीजन में बिली हार्ग्रोव का किरदार निभा चुके डेकर मोंटगोमरी अब इस शो को एक दर्शक के रूप में देखने को तैयार हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वो अब ऑस्ट्रेलिया में सुकून भरी जिंदगी जी रहे हैं।

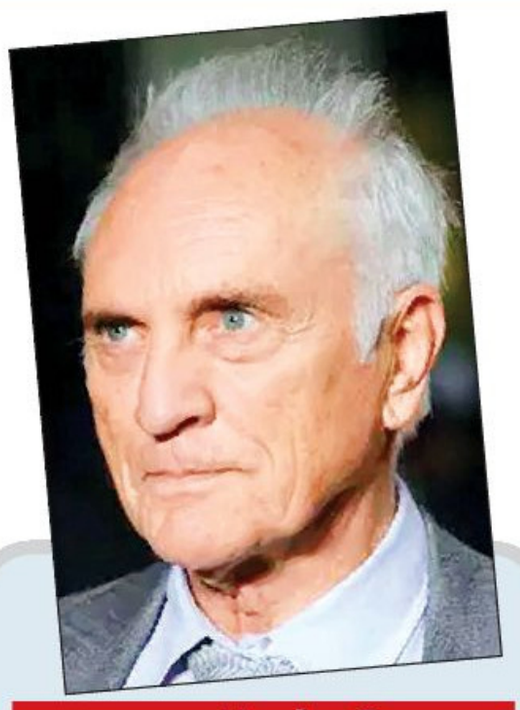

जनरल जॉड के किरदार से मिली पहचान

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर टेरेंस स्टैम्प का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। टेरेंस को सुपरमैन फिल्म में उनके जनरल जॉड के किरदार के लिए जाना जाता था। लंदन में जन्मे टेरेंस स्टैम्प ने 1962 में समुद्री बैकड्रॉप पर आधारित फिल्म 'बिली बड' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस पहली ही फिल्म के लिए उन्हें ऑस्कर नामांकन प्राप्त हुआ। इस फिल्म में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। हालांकि, स्टैम्प ने कई गंभीर और भावुक भूमिकाएं निभाईं, लेकिन उन्हें सबसे अधिक लोकप्रियता मिली 1978 की सुपरमैन और 1980 की सुपरमैन II में जनरल जॉड के किरदार से। टेरेंस स्टैम्प की सबसे सराही गई भूमिकाओं में 1994 की 'द एडवेंचर ऑफ प्रिसिला, क्वीन ऑफ द डेजर्ट' भी शामिल है।

बागी-4 का पहला गाना गुजारा हुआ रिलीज

मुंबई। टाइगर श्रॉफ की आगामी फिल्म बागी 4 का पहला गाना गुजारा सोमवार को रिलीज हो गया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। इस रोमांटिक गाने में दोनों की जोड़ी काफी जच रही है। ए हर्षा द्वारा निर्देशित 'बागी 4' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त की एक्शन से भरपूर फिल्म बागी 4 का पहला गाना सामने आया है। एक्शन फिल्म का पहला गाना रोमांस से भरपूर है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ अभिनेत्री हरनाज कौर संधू नजर आ रही हैं। ये गाना पंजाबी सिंगर सरताज के गाने 'तेरे बिना ना गुजारा' का रीमेक है। ये गाना उस समय फिर से चर्चाओं में आ गया था, जब सिंगर जोश ब्रार ने इसका रीमेक किया था और इसे नए तौर पर लाया था।

डायरेक्टर अनिल ने की गदर-3 की घोषणा

मुंबई। गदर 3 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं है। हालिया इंटरव्यू में डायरेक्टर अनिल शर्मा ने इस फिल्म की घोषणा की है। क्या तीसरी किश्त में अमीषा पटेल भी सकीना के किरदार में नजर आएंगी? दरअसल, पिछले दिनों अमीषा पटेल और अनिल शर्मा के बीच मनमुटाव हुआ था। अपनी फिल्म गदर 3 की कहानी, मेकिंग को लेकर डायरेक्टर ने अपडेट दिया। अनिल शर्मा कहते हैं, 'अमीषा के साथ मेरा रिश्ता अब बहुत अच्छा है। वक्त के साथ-साथ सब चीजें सही हो जाती हैं। अभी सब बढ़िया है। सकीना (अमीषा पटेल) और तारा (सनी देओल) 'गदर' फिल्म सीरीज का एक जरूरी हिस्सा हैं। लेकिन, हम गदर 3 की रिलीज से पहले उनके रोल के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करेंगे। गदर 3 जरूर बनेगी।

टीवी मसाला

केबीसी 17 को मिला पहला करोड़पति 7 करोड़ के सवाल पर टिकी नजरें

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन होस्टेड फेमस क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 17 का धमाकेदार आगाज हो चुका है। ये शो ने शुरू होने के साथ ही सुर्खियों में बना हुआ है। केबीसी में एक बार फिर से अमिताभ का शानदार अंदाज देख न सिर्फ कंटेस्टेंट, बल्कि दर्शक भी काफी खुश हैं। अमिताभ के इस शो के पहले ही हफ्ते में दर्शकों को इस सीजन का पहला करोड़पति मिल गया है। इस प्रोमो में दिखाया गया कि उत्तराखंड के रहने वाले आदित्य कुमार शानदार तरीके से खेल को आगे बढ़ा रहे हैं। अमिताभ के पूछे गए सभी सवालों का जवाब आदित्य ने बिल्कुल सही दिया। इस तरह आदित्य ने 1 करोड़ के सवाल का भी जवाब बिल्कुल सही दिया। एक करोड़ की रकम जीतकर आदित्य फूले नहीं समा रहे थे। बिग बी ने भी उठकर आदित्य को गले लगाया। एक करोड़ जीतने के बाद आदित्य सीधे 7 करोड़ के सवाल पर पहुंच गए हैं। अब हर किसी की नजरें 'कौन बनेगा करोड़पति 17' जैकपॉट वाले सवाल पर टिकी है। हर कोई ये जानने के लिए बेताब है कि क्या आदित्य 7 करोड़ के जैकपॉट वाले सवाल का सही जवाब दे पाएंगे। फिलहाल, ये जानने के लिए सभी काफी उत्सुक हैं। आदित्य ने अमिताभ बच्चन के सामने अपने कॉलेज के दिनों का एक मजेदार किस्सा सुनाया। आदित्य ने बताया कि जब वो कॉलेज में थे तब उन्होंने अपने दोस्तों के साथ केबीसी को लेकर एक मजाक किया था। उन्होंने कहा था कि कॉलेज में केबीसी की शूटिंग होने वाली है। ये सुनकर सभी दोस्त रोज तैयार होकर आते थे, लेकिन जब एक हफ्ता बीत गया तब खुद आदित्य ने बताया कि वो मजाक कर रहे थे। ये सुनकर बिग बी खूब हंसे।

तान्या हुई कंफर्म, फेमस वकील भी बिग बॉस में मचाएगा बवाल

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 के लिए अब जो नाम सामने आ रहा है, वो है तान्या मित्तल का। तान्या एक सोशल मीडिया पर स्टार हैं। तान्या एक सफल सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ही नहीं, बल्कि एक उद्यमी महिला भी हैं। वो अपनी सादगी के लिए हमेशा ही सुर्खियों में रहती हैं। बता दें कि इसी साल प्रयागराज में हुए महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ में तान्या भी मौजूद थीं। तान्या ने न सिर्फ अपनी जान बचाई, बल्कि लोगों की भी मदद करती नजर आई थीं। सलमान खान के शो के लिए तान्या का नाम कंफर्म बताया जा रहा है। फिलहाल तान्या की तरफ से शो में जाने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

बिग बॉस 19 में पिछले कुछ सीजन से देखा जा रहा है कि शो में यूट्यूबर्स, स्टार्स, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के अलावा वकील भी आ रहे हैं। सीजन 19 में भी एक फेमस वकील की एंट्री को कंफर्म बताया जा रहा है। शो के लिए इस बार फेमस लॉयर अली काशिफ खान का नाम सामने आ रहा है। अली काशिफ को सलमान खान के शो लिए लगभग कंफर्म बताया जा रहा है।

धमाकेदार होगा यह वीक, बिग बॉस 19 की दस्तक के साथ रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। थिएटर्स में इस वक्त 'कुली' और 'वॉर 2' सजी हुई हैं। साथ ही 'महावतार नरसिम्हा' भी दर्शकों को आकर्षित कर रही है। वहीं, ओटीटी पर बीते हफ्ते काफी शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। अब नए वीक की शुरुआत हो चुकी है और मनोरंजन के शौकीनों के लिए इस वीक भी ओटीटी पर काफी कुछ खास आने वाला है।

पीसमेकर सीजन 2 : यह सीरीज इस हफ्ते की ओटीटी लिस्ट में शामिल है और 21 अगस्त को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इसमें जॉन सीना, डेनियल ब्रूक्स, फ्रेडी स्ट्रोमा, जेनिफर हॉलैंड, फ्रैंक ग्रिलो जैसे सितारे नजर आएंगे। बता दें कि 'पीसमेकर' का पहला सीजन साल 2022 में रिलीज हुआ था।

आमार बॉस : यह फिल्म 22 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम होगी। यह वही फिल्म है, जिसके जरिए करीब दो दशक बाद दिग्गज अभिनेत्री राखी ने एक्टिंग की दुनिया में वापसी की है। यह बंगाली फिल्म मई में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अब ओटीटी पर दस्तक दे रही है। इस फिल्म में राखी और शिखोप्रसाद मुखर्जी लीड रोल में हैं। नंदिता रॉय और शिखोप्रसाद मुखर्जी ने इसका निर्देशन किया है।

मारीसन : यह तमिल फिल्म है। सुधीश शंकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 22 अगस्त को ओटीटी पर दस्तक देगी। इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस फिल्म में फहाद फासिल और वडिवेलु लीड रोल में हैं। बता दें कि यह फिल्म 25 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज हुई थी।

थलाइवन थलाइवी : विजय सेतुपति और नित्या मेनन अभिनीत यह फिल्म भी इस हफ्ते ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। दोनों सितारों को इस फिल्म में पहली बार साथ स्क्रीन पर देखा गया। यह फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 22 अगस्त से यह प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

शोधा : यह एक कन्नड़ सीरीज है। इस हफ्ते ओटीटी पर प्रीमियर के लिए तैयार है। निर्देशक पवन कुमार इस वेब सीरीज में लीड रोल में नजर आएंगे। 'शोधा' 22 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम होगी। यह एक सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है।

बिग बॉस 19 : यह वीक इसलिए भी काफी खास है, क्योंकि सलमान खान का रियलिटी शो भी 'बिग बॉस' का नया सीजन भी दर्शकों के बीच पहुंच रहा है। 'बिग बॉस 19' जियो हॉटस्टार पर 24 अगस्त से स्ट्रीम होगा।

वॉर 2 में कियारा का काम देखकर खुश हुए सिद्धार्थ

मुंबई। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 का इंतजार लंबे वक्त से किया जा रहा था। फिल्म बड़े पैमाने पर बनी और इसे यशराज के स्पाई यूनिवर्स की सबसे बड़ी कड़ी बताया गया। लेकिन, रिलीज के बाद ऑडियंस का रिएक्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। हाई ऑक्टेन एक्शन और स्टारपावर के बावजूद फिल्म ऑडियंस को पूरी तरह एंटरटेन नहीं कर पा रही। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर मिलाजुला रिस्पॉन्स देखने को मिला है। इस बीच एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने पत्नी कियारा आडवाणी की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कियारा के काम को शानदार बताया। सिद्धार्थ ने फिल्म देखने के बाद लिखा, क्या राइड थी! एक्शन, स्केल और स्टाइल सब कमाल। कियारा अडवाणी ऑन स्क्रीन वोस और स्ट्रेंथ लेकर आई।

जब उनके अंदर का बच्चा जागता है तो वो कहता है कि जंगल-जंगल बात चली है पता चला है...

एक ऐसा फनकार, जिसने जिस विधा को छुआ उसे कर दिया 'गुलजार'

नई दिल्ली। गुलजार एक हैं, लेकिन उनके रंग अनेक हैं। जब वह गाने लिखने बैठते हैं तो पहला ही गाना लिखते हैं- 'मोरा गोरा अंग लइ ले, मोहे श्याम रंग दई दे'। जिस बॉलीवुड की दुनिया में गोरे रंग की चमक-दमक ही सबकुछ मायने रखती हो, वहां पहले ही गाने में श्याम रंग की चाहत। जब वो स्क्रीन प्ले लिखते हैं तो आनंद जैसी फिल्म सामने आती है। जिसका सार ही ये है कि 'जिंदगी लंबी नहीं बड़ी होनी चाहिए। जब वो निर्देशक की कुर्सी पर बैठते हैं तो आंधी, मौसम और माचिस जैसी फिल्में सामने आती हैं। जहां संवेदनाएं अपने चरम पर हैं और आपके अंदर भावनाओं का एक तूफान सा छोड़ जाती है। जब बड़े पर्दे से छोटे पर्दे की ओर रुख करते हैं और टीवी सीरियल बनाते हैं तो मिर्जा गालिब जैसे एक शाहकार से मुलाकात होती है। जब उनके अंदर का बच्चा जागता है तो वो कहता है कि 'जंगल जंगल बात चली है पता चला है, चड्डी पहनकर फूल खिला है।'

मेरे अपने से निर्देशन की दुनिया में उतरे

गीत, स्क्रीन राइटिंग और डायलॉग लिखने के बाद गुलजार ने साल 1971 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। निर्देशक की कुर्सी पर बैठने के बाद उन्होंने पहली फिल्म बनाई मेरे अपने। श्याम आए तो उससे कहना कि छेनू आया था। ये डायलॉग तो आपने कई बार सुना होगा। ये सुपरहिट डायलॉग गुलजार की 'मेरे अपने' का ही है। ये फिल्म एक खूंखार विधवा, उसका एक कथित रिश्तेदार और दो युवकों के बीच की कहानी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और इस फिल्म ने विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा के कैरियर में एक अहम बदलाव लाया था। फिल्म में इन दोनों के अलावा मीना कुमार, देवेन वर्मा, असित सेन, असरानी, डैनी डेन्जोंगपा, कैस्टो मुखर्जी, ए के हंगल, दिनेश ठाकुर, महमूद और योगिता बाली प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

कॉमेडी ड्रामा परिचय : इसके बाद 1972 में गुलजार जितेंद्र, जया भादुड़ी, प्राण और संजीव कुमार स्टारर परिचय लेकर आए। इस फिल्म में एक की तलाश करते युवक की कहानी दिखाई गई है। जिसे बाद में पांच बिगड़ैल बच्चों को पढ़ाने की नौकरी मिलती है। ये बच्चे इतने बिगड़ैल हैं कि वो इससे पहले कई टीचर्स को भगा चुके हैं। ये अपने दादा जी राय साहब के साथ रहते हैं, जो समय के बड़े पाबंद हैं। फिल्म की कहानी काफी रोचक है। साथ ही फिल्म रिश्तों और रोजगार के मुद्दे पर भी बात करती है।

मूक-बधिर की इमोशनल कर देने वाली कहानी कोशिश : इसी साल गुलजार एक मूक-बधिर जोड़े की दिल को झकझोर देने वाली रोमांटिक-ड्रामा फिल्म कोशिश भी लेकर आए। इस फिल्म में संजीव कुमार, जया भादुड़ी और असरानी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में मूक-बधिर कपल हरि चरण और आरती के संघर्ष, उनके दर्द और समाज में अपनी जगह बनाने की उनकी जद्दोजेहद को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी काफी भावुक है। कैसे हरि चरण आरती के मरने के बाद अकेले ही अपने बेटे को पालता है और इस दौरान उसे कैसे समाज से भी लड़ना पड़ता है। इस फिल्म के लिए संजीव कुमार को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। 1972 में आई ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं।

नानावटी बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले पर बनाई अचानक

गुलजार ने सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्में भी बनाई और साथ ही उन्होंने अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को भी उठाया है। उन्होंने 1958 में हुए केएम नानावटी बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले पर फिल्म बनाई थी 'अचानक'। ये वो ही मामला है, जिस पर बाद में अक्षय कुमार की फिल्म रुस्तम बनी हुई है। अचानक में विनोद खन्ना प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इसके अलावा लिली चक्रवर्ती, फरीदा जलाल और असरानी भी प्रमुख किरदारों में हैं। सबसे खास बात कि खुद गीतकार होने के बावजूद गुलजार की इस फिल्म में एक भी गाना नहीं था। इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था और कई अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन भी मिला था।

इमरजेंसी में आंधी पर लगा बैन : साल 1975 में जब देश में इमरजेंसी लगी थी और शोले जैसी ऐतिहासिक फिल्म रिलीज हुई थी। उसी साल गुलजार ने दो ऐसी फिल्में बनाई जो आज भी आपके अंदर भावों का एक समुंदर सा छोड़ जाती हैं। पहले गुलजार संजीव कुमार और सुचित्रा सेन स्टारर आंधी लेकर आए। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। जिसमें कई वर्षों के बाद एक अलग हुए कपल की अचानक मुलाकात होती है। जब पत्नी आरती देवी, जो अब एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हैं, चुनाव प्रचार के दौरान अपने पति के होटल में ठहरती हैं। इस फिल्म को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन से प्रेरित बताया जाता है। हालांकि, मेकर्स ने इस बात से इंकार किया था।

सैंटोस की करारी हार, बीच मैदान पर फूट-फूटकर रोए स्टार फुटबॉलर नेमार

सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी मैच में वास्को दा गामा के हाथों झेलनी पड़ी 0-6 से हार

एजेंसी ▶▶| ब्राजील

स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने कॅरियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे।

मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश: नेमार

इस दौरान नेमार ने कहा कि, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। फैंस को विरोध करने का पूरा अधिकार है जाहिर है बिना हिंसा के, लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नेमार ने आगे कहा कि, ये बेहद शर्मिंदगी का एहसास है। मैंने जिंदगी में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। बदकिस्मती से ऐसा हुआ। आंसू गुस्से से थे। बदकिस्मती से मैं किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता। खैर ये पूरी तरह से बकवास था। यही सच्चाई है। जले पर नमक छिड़कते हुए नेमार को इस सत्र का तीसरा येलो कार्ड भी मिला। इससे वह बहिया के खिलाफ अगले मैच से बाहर हो गए।

पीएसजी ने जीत के साथ किया अभियान शुरू

पेरिस। चैंपियंस लीग की चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग 1 के अपने शुरुआती मैच में नैनटेस पर 1-0 की जीत दर्ज करके फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताब बचाने का अपना अभियान शुरू किया। पीएसजी की टीम इस मैच में लय में नहीं दिखी। मैच का एकमात्र गोल पुर्तगाल के मिडफील्डर विटिना ने 67वें मिनट में किया। उन्होंने लगभग 20 मीटर दूर से गेंद ली और डिफेंडर चिदोजी अवाजिएम को छकाकर गोल किया। कोच लुइस एनरिक की टीम के लिए यह गोल काफी साबित हुआ, जो एक बार फिर गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा के बिना खेल रही थी। एक अन्य मैच अनुभवी स्ट्राइकर ओलिवियर गिरौड को लीग 1 में वापसी करने पर गोल करने में केवल 11 मिनट लगे, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि उनकी नई टीम लिली ने ब्रेस्ट के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला।

स्पेनिश लीग : एटलेटिको मैड्रिड ने पहली बार अपना मैच गंवाया

मैड्रिड। कई नए खिलाड़ियों के साथ खेल रही एटलेटिको मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 16 साल में पहली बार ला लिगा के अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। एटलेटिको ने शुरुआत में बढ़त हासिल की लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया और उसे एस्पेनयोल ने 2-1 से हरा दिया। यह 2009 के बाद पहला अवसर है जबकि एटलेटिको को स्पेनिश लीग के शुरुआती मैच में पराजय झेलनी पड़ी। एटलेटिको ने 37वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के फ्री किक से बढ़त बना ली, लेकिन 73वें मिनट में मिगुएल रुबियो और 84वें मिनट में पेरे मिल्ला के गोल के कारण उसे हार का मुंह देखना पड़ा। एक अन्य मैच में गेटाफे ने सेल्टा विगो पर 2-0 से जीत दर्ज की। विजेता टीम की तरफ से एड्रियन लिसो और क्रिस्टेनस उचे ने दूसरे हाफ में गोल किए।

खबर संक्षेप

डीपीएल : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की पुरानी दिल्ली 6 पर बड़ी जीत

नई दिल्ली। सुमित कुमार बेनीवाल के पांच विकेट की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में पुरानी दिल्ली 6 पर 46 रन से शानदार जीत दर्ज की। रविवार को खेले गए इस मैच में 185 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की टीम 18.3 ओवर में 138 रन पर ढेर हो गई। बेनीवाल ने चार ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिए। अभिषेक खंडेलवाल ने 31 रन देकर चार विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। पुरानी दिल्ली 6 की पारी में एकमात्र सकारात्मक पहलू एकांश डोभाल (63) का अर्धशतक रहा। उन्होंने ललित यादव (28 गेंदों पर 22 रन) के साथ 46 रन की साझेदारी की लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने सभी विकेट खोकर 184 रन बनाए।

अहमदाबाद मैराथन 30 नवंबर को

अहमदाबाद। 'रन फॉर आवर सोल्जर्स (हमारी सेना के सम्मान में दौड़)' के थीम के साथ अहमदाबाद मैराथन के नौवें सत्र का आयोजन 30 नवंबर को यहां के साबरमती रिवरफ्रंट पर होगा। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसमें चार दौड़ श्रेणियां होंगी। इसमें मैराथन, हाफ-मैराथन, 10 किमी की दौड़ और पांच किमी की दौड़ शामिल है। यह विभिन्न आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के प्रतिभागियों को आकर्षित करेंगी। 'अडानी स्पोर्ट्स लाइन' की ओर से आयोजित इस मैराथन को एक बार फिर साबरमती रिवरफ्रंट से हरी झंडी दिखाई जाएगी, जो अटल ब्रिज, गांधी आश्रम और एलिस ब्रिज जैसे शहर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित स्थानों से होकर गुजरेगी।

तीरंदाजी प्रीमियर लीग में भाग लेंगे शीर्ष खिलाड़ी

नई दिल्ली। दीपिका कुमारी, धीरज बोम्मादेवरा, ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा सहित भारत के शीर्ष तीरंदाज पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) में भाग लेंगे। भारतीय तीरंदाजी संघ ने यह जानकारी दी। यह प्रतियोगिता अक्टूबर में यहां यमुना खेल परिसर में 11 दिन तक आयोजित की जाएगी। इसमें छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा दुनिया भर के प्रमुख रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज हिस्सा लेंगे। इनमें कई चोटी के खिलाड़ी शामिल हैं, जिनके नाम की घोषणा बाद में की जाएगी।

टीम का चयन आज, 30 खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में आने के लिए तैयार

एशिया कप 2025: गिल का फॉर्म बना चयनकर्ताओं की सबसे बड़ी उलझन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी तो उसके सामने एक मजबूत टी20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए 9 से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी-20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं।

बल्लेबाजी में समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर

बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन (आईपीएल सर्वाधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप विजेता) को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता।

गेंदबाजी में यादव, चक्रवर्ती और बिश्नोई में टक्कर

गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी-20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है। टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा। दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है, जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है। इस मामले में गिल सभी हितधारकों के लिए एक स्पष्ट विकल्प हैं।

सुंदर को मिल सकती है जगह

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला दो अक्टूबर से शुरू होगी इसलिए समझा जा रहा है कि अपेक्षाकृत कमजोर मेहमान टीम के खिलाफ बुमराह की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि प्रसिद्ध और सिराज तरोताजा और खेलने के लिए तैयार होंगे। स्पिन विभाग में अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव पहली तीन पसंद हैं। गौतम गंभीर ऑलराउंडर को प्राथमिकता देते हैं और ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है।

पंड्या फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज

अगर तेज गेंदबाजी विभाग की बात करें तो हार्दिक पंड्या एक बेहतरीन फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज हैं और जसप्रीत बुमराह तथा अर्शदीप सिंह का टीम में होना स्वाभाविक है, ऐसे में रिजर्व तेज गेंदबाज के स्थान के लिए तीन विकल्प हैं। इस स्थान के लिए हर्षित राणा पसंदीदा दिख रहे हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज दोनों को लाल गेंद का विशेषज्ञ माना जा रहा है।

यादव के नेतृत्व में टी20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत

सूर्यकुमार यादव के कुशल नेतृत्व में भारतीय टी20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत का है और उसने अपने पिछले 20 मैचों में से 17 में जीत हासिल की है। इनमें से किसी भी मैच में गिल और जायसवाल शामिल नहीं थे। पिछले एक साल में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने से पहले गिल और जायसवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे और उन्होंने आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। गिल दरअसल सूर्य कुमार के साथ उप कप्तान थे लेकिन उन्हें टेस्ट मैचों के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हटना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया था। चयनकर्ता अगर गिल को 15 खिलाड़ियों में चुनते हैं तो उन्हें फिर अंतिम एकादश में भी रखना होगा, जिसका मतलब है कि संजू, अभिषेक या तिलक में से किसी एक को अपने बल्लेबाजी स्थान से समझौता करना होगा।

दलीप ट्रॉफी

आकाश दीप, ईशान बाहर ईश्वरन करेंगे अगुवाई

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोट से उबरने के कारण उत्तर क्षेत्र के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच में पूर्व क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे। किशन टीम के कप्तान भी थे। भारतीय घरेलू सत्र का पहला टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के मैदानों में खेला जाएगा।

इंग्लैंड के हालिया दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने वाले आकाश दीप कमर की चोट से अभी तक पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए हैं। 28 वर्षीय इस गेंदबाज की जगह बिहार के मुख्तार हुसैन को पूर्व क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में 10 विकेट सहित श्रृंखला में 13 विकेट लेने वाले बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश ने क्षेत्रीय चयन समिति को बताया है कि चिकित्सीय सलाह के अनुसार वह इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अक्टूबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए फिट होने की उम्मीद है। इस बीच किशन भी हाथ की चोट से पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

एशिया कप हॉकी

पाकिस्तान की जगह ले सकती है बांग्लादेश की हॉकी टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान अगर 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेता है तो उसकी जगह बांग्लादेश को शामिल किया जा सकता है।

हॉकी इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह एशिया कप के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा उपलब्ध कराएगी, लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए यात्रा करने से इनकार कर दिया है। आयोजकों ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह भरने के लिए बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया ने कहा कि अगले 48 घंटों में वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा, 'भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने को तैयार है, लेकिन अगर वे भारत नहीं आना चाहते तो यह हमारी समस्या नहीं है।

एशियाई निशानेबाजी: भारत पुरुष एयर पिस्टल टीम को रजत पदक

एजेंसी ▶▶| शिमकेंट (कजाखस्तान)

भारतीय निशानेबाजों ने एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) की पदक तालिका में बेहतर प्रदर्शन करने के अपने अभियान की शुरुआत सोमवार को यहां पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक के साथ की जबकि फरीदाबाद के अनमोल जैन स्पर्धा में व्यक्तिगत पदक जीतने से चूक गए और छठे स्थान पर रहे। अनमोल (580), आदित्य मालरा (579) और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सौरभ चौधरी(576) की भारतीय टीम 1,735 अंक के साथ चीन के पीछे दूसरे स्थान पर रही। चीन की टीम ने 1,744 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान ने 1,733 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। व्यक्तिगत पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में अनमोल ने क्वालीफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह हालांकि पदक दौर में 155.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हु काइ ने 241.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया के होंग सुहियोन और ईरान के आमिर जोहारिखोउ ने क्रमशः 239.0 और 216.8 अंक के साथ रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के आदित्य और चौधरी क्वालीफिकेशन में क्रमशः 13वें और 21वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

विजेता टीम को मिलेगा 10 लाख डॉलर का ईनाम

अमेरिकी ओपन : सिनर को डबल खेलने के लिए मिली नई जोड़ीदार

मिश्रित युगल में अल्काराज और राडुकानू का सामना नंबर एक जोड़ी से

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

यानिक सिनर को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल में खेलने के लिए नया जोड़ीदार मिल गया है जबकि एम्मा राडुकानू और कार्लोस अल्काराज की जोड़ी पहले दौर में नंबर एक वरीयता प्राप्त टीम का सामना करेगी।

अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होगा, जिसमें 16 टीम भाग लेंगी। इसके लिए ड्रॉ रविवार को डाले गए। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर अब 10 बार की महिला युगल प्रमुख चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा के साथ जोड़ी बनाएंगे। उन्हें एम्मा नवारो के साथ जोड़ी बनानी थी लेकिन अगले सप्ताह मैक्सिको के मॉन्टेरी में होने वाले महिला टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने नाम वापस ले लिया।

पोर्टलैंड क्लासिक

अदिति का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टूर में रहीं छठे स्थान पर

पोर्टलैंड (ओरेगन)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक आखिरी दौर में पांच अंडर 67 के शानदार कार्ड के साथ एलपीजीए टूर के 'द स्टैंडर्ड पोर्टलैंड क्लासिक' में छठे स्थान पर रहीं। अदिति का यह मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह इस सत्र में सिर्फ दूसरा मौका है जब वह शीर्ष 10 में रही है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन संयुक्त नौवां स्थान (मायाकोबा में रिवियेरे माया ओपन) था। अदिति ने चार दौर में 69-70-65-67 के कार्ड के साथ कुल 17 अंडर का स्कोर बनाया। उन्होंने आखिरी दौर में दो बोगी के मुकाबले सात बर्डी लगाए। जापान की अकेई इवाई छह अंडर 64 का कार्ड खेलने के बाद चार शॉट से बड़ी जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर 24 अंडर का रहा। भारतीय मूल की अमेरिकी गोल्फर गुरलीन कौर (65-68-70-65) ने आखिरी दौर में सात अंडर के कार्ड के साथ कुल 20 अंडर का स्कोर बनाया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

डैनिश गोल्फ चैंपियनशिप

अहलावत ने खेला 72 का कार्ड

कोपनहेगन। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत डीपी वर्ल्ड टूर के डैनिश गोल्फ चैंपियनशिप के आखिरी दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद 34वें स्थान पर रहे। अहलावत ने डेनमार्क के फ्यूरेसॉ गोल्फ क्लब में अपने आखिरी दौर में तीन बर्डी और चार बोगी लगाए। उनका कुल स्कोर एक अंडर (73-68-70-72) रहा। वह इस प्रदर्शन से 'रेस टू दुबई' रैंकिंग में 139वें से 136 स्थान पर पहुंच गए। इस तालिका में शीर्ष 113 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को 'कैटेगरी 10 कार्ड' मिलेगा, जिससे वे अगले सत्र में इस टूर के ज्यादातर टूर्नामेंटों में हिस्सा ले पाएंगे।

विएरुमाकी फिनिश चैलेंज

गोल्फर सप्तक ने खोई लय

विएरुमाकी। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार होटल प्लानर टूर के विएरुमाकी फिनिश चैलेंज के आखिरी दौर में तीन ओवर 75 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर रहे। तलवार तीसरे दौर में 65 का कार्ड खेलने के बाद शीर्ष पांच में जगह बनाने की दौड़ में थे लेकिन वह चौथे और आखिरी दौर में अच्छी शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने कुल आठ अंडर (73-67-65-75) का स्कोर बनाया। स्कॉटलैंड के डेविड लॉ ने चार अंडर 68 का कार्ड खेलकर दो शॉट से जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर 17 अंडर (65-68-70-68) का रहा।

एलआईवी गोल्फ स्पर्धा

लाहिड़ी ने प्ले ऑफ में दर्ज की शानदार जीत

वेस्टफील्ड। अनिर्बान लाहिड़ी ने दो अंडर 69 के कार्ड के साथ इंडियानापोलिस में एलआईवी गोल्फ स्पर्धा में अपने अभियान का अंत संयुक्त 27वें स्थान के साथ किया। वह इस तरह वह एलआईवी गोल्फ लीग की व्यक्तिगत सत्र रैंकिंग में 25वें स्थान रहे। लाहिड़ी का कुल स्कोर 10 अंडर (67-67-69) रहा। सेबेस्टियन मुनोज ने जॉन रहम के साथ 22 अंडर पार के स्कोर के साथ शीर्ष पर बराबरी करने के बाद प्ले ऑफ में जीत दर्ज की। रहम हालांकि सत्र की तालिका में लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष पर रहे। लाहिड़ी का सत्र का 25वां स्थान 'लॉक जोन' से एक स्थान नीचे है। 'लॉक जोन' 2026 में खेलने के लिए खिलाड़ियों का स्थान सुनिश्चित करता है। लाहिड़ी अब 'ओपन जोन' में हैं, जिसके तहत उनकी टीम 'क्रशर्स' उन्हें अपने साथ बनाए रखने या रिलीज करने पर फैसला कर सकती है। लाहिड़ी ब्रायसन डीचैम्ब्यू के नेतृत्व वाले 'क्रशर्स' के एक महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।

खबर संक्षेप

पाक में बारिश से 657 की मौत, 1000 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मॉनसून की बारिश में ही 657 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा

1000 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाकिस्तान में जून के आखिर से लेकर अब तक बारिश में हुई मौतों का यह आंकड़ा है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तान की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता तैयब शाह ने बताया कि अब भी भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल 22 अगस्त तेज बारिश जारी रहेगी। पहले भी हादसे होते रहे हैं।

नेपाल में 4.0 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

काठमांडू। नेपाल में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए।

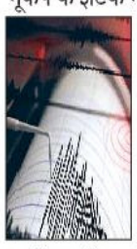

पूर्वी नेपाल के रामेछाप जिले में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र रामेछाप जिले के हेलमचो इलाके में था, जो राजधानी काठमांडो से करीब 150 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। भूकंप के झटके पास के जिलों दोलखा, सिंधुली और कावरेपालांचोक में भी महसूस किए गए। अब तक किसी तरह के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को शनिवार को ब्रासीलिया में मेडिकल जांच के लिए अस्थायी तौर पर नजरबंदी से बाहर आने की इजाजत मिली।

दावा-रूस ने 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया

कीव। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि जंग

शुरू होने के बाद से रूस ने अब तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है। वहीं, 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है। इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय बैठक में बोले भारत के विदेश मंत्री

भारत-चीन के बीच न ही मतभेद विवाद में बदलें न ही प्रतिस्पर्धा संघर्ष में तब्दील हो: जयशंकर

एनएसए अजीत डोभाल और वांग यी के बीच होगी सीमा मामलों पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी चीन के विदेश मंत्री की मुलाकात

रॉयल पत्रिका

अमेरिका के साथ 50 फीसदी पारस्परिक टैरिफ के मुद्दे पर बने हुए तनाव के बीच भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंध धीरे-धीरे ही सही फिर से पटरी पर लौटते हुए नजर आ रहे हैं। इसकी ताजा मिसाल सीमा मामलों पर चर्चा करने के लिए गठित किए गए विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) के संवाद तंत्र की 19 अगस्त को होने वाली 24 वीं बैठक के रूप सबके सामने है।

जिसमें भाग लेने के लिए चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत सोमवार शाम नई दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने उनका जोरदार अंदाज में स्वागत किया और उसके बाद दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। भारत का पक्ष रखते हुए डॉ.जयशंकर ने कहा कि संबंधों में एक मुश्किल दौर (एलएसी विवाद) देखने के बाद अब दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं। लेकिन यहां पर ये ध्यान रखने की जरूरत है कि न ही विवाद मतभेद में बदलें और न ही प्रतिस्पर्धा, संघर्ष में तब्दील हो। पिछले साल अक्टूबर महीने में रूस के कजान शहर में हुई भारत और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक के बाद यह पहला मौका है। जब चीन के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर हैं। डॉ.जयशंकर ने इस मुलाकात के जरिए द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए बेहद उपयुक्त अवसर बताया। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है। मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास सात लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा वांग यी और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के बीच सीमा मामलों से जुड़ी बैठक होगी।

एससीओ शिखर बैठक से पहले हुई मुलाकात

बताते चलें कि चीन इस वर्ष शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी मेजबानी में समूह के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें भाग लेने के लिए 31 अगस्त से 1 सितंबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन (तियानजिन) की यात्रा कर सकते हैं। जो कि जापान से होते हुए की जाएगी। वर्ष 2020 के मध्य में दोनों देशों के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुए सैन्य विवाद की समाप्ति के बाद ये पहला मौका होगा। जब प्रधानमंत्री चीन की यात्रा करेंगे।

स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की दरकार

जयशंकर ने ये भी कहा कि दोनों देशों की साझेदारी से अब संबंधों को बेहतर बनाने का प्रयास चल रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए दोनों पक्षों को न केवल एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। बल्कि हमें आपसी सम्मान, संवेदनशीलता और पारस्परिक हितों जैसे तीन मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कहा कि सीमा पर शांति स्थापित होने के साथ ही संबंधों में भी सकारात्मक गति आ सकती है। भारत के विदेश मंत्री ने 19 अगस्त को वांग यी और एनएसए डोभाल की वार्ता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हमारे संबंधों में सकारात्मक गति का आधार भी सीमा पर संयुक्त रूप से स्थापित की गई शांति और सौहार्द से जुड़ा हुआ है। यहां ये भी अहम हो जाता है कि सीमा पर तनाव कम करने की कवायद आगे बढ़े। भारत ने चीन को मजबूत परिणाम के साथ एक सफल एससीओ सम्मेलन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता की जरूरत

उन्होंने 5कहा कि हमारी यह बैठक हमें अंतरराष्ट्रीय स्थिति और साझा हितों से जुड़े हुए मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करती है। ये स्वाभाविक है कि जब दो सबसे बड़े राष्ट्र मिलते हैं तो अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर चर्चा होगी ही। आज की हमारी बातचीत में आर्थिक-व्यापार से जुड़े मुद्दे के अलावा हम तीर्थयात्रियों के मसले, नदियों का डेटा साझा करने, सीमाई व्यापार, कनेक्टिविटी, द्विपक्षीय आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंधों जैसे विषयों पर भी चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम एक निष्पक्ष, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के साथ ही एक बहुध्रुवीय एशिया चाहते हैं।

मौजूदा परिदृश्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता को बनाए रखना स्पष्ट रूप से जरूरी है। मैंने बीते जुलाई महीने में की गई अपनी चीन यात्रा के दौरान कुछ विशेष मामलों पर आपके समक्ष अपनी चिंता जाहिर की थी। जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ एक और प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि कुल मिलाकर हमारी चर्चाएं भारत, चीन के बीच एक स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंध बनाने में योगदान देंगी। जो दोनों देशों के हितों की पूर्ति के साथ ही हमारी चिंताओं का समाधान करेंगी।

एक-दूसरे की सफलता में बनें भागीदार

वहीं, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बैठक के दौरान कहा कि भारत और चीन ने सीमा पर शांति कायम रखने का प्रयास किया है। दोनों पक्षों ने सहयोग को आगे बढ़ाने, संबंधों में सुधार व विकास की गति को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विश्वास जताया है। जिससे हम न केवल भारत-चीन के विकास बल्कि एक-दूसरे की सफलता में भी योगदान दे सकें। साथ ही एशिया समेत समूची दुनिया में वो स्थिरता लाई जा सके। जिसकी आवश्यकता है।

भारत में निवेशित रहने की दी सलाह

अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म का दावा ट्रंप वापस ले सकते हैं हाई टैरिफ

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म जेफरीज ने अपने ग्राहकों को भारत में बिकवाली करने की जगह खरीदारी की सलाह दी है। साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का यू-टर्न होना तय है। अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म में प्रमुख एनालिस्ट क्रिस्टोफर वुड ने कहा कि उनके ग्राहक वर्तमान वैश्विक बाजार परिवेश और इस संभावना के कारण भारत में निवेश करने पर विचार कर रहे हैं,क्योंकि ट्रंप अंततः अपना रुख बदल देंगे।

वुड ने कहा, यह केवल कुछ समय की बात है ट्रंप अपने रुख से पीछे हट जाएंगे, जो कि अमेरिका के हित में नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अगर कोई ट्रंप के सामने खड़ा होता है तो उसे लाभ होता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ट्रंप की ओर से ब्रिक्स देशों के खिलाफ कोई भी एक्शन उन्हें डी-डॉलराइजेशन की ओर ले जाएगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका का नाम शामिल है।

डी-डॉलराइजेशन वह स्थिति है, जिसमें देश डॉलर की बजाय अन्य विदेशी मुद्राओं या घरेलू मुद्राओं में विदेशी व्यापार करना शुरू कर देते हैं। विश्लेषक ने कहा कि जेफरीज ने भारत पर, खासकर अपने एशिया (जापान को हटाकर) लॉन्ग-ओनली पोर्टफोलियो में, लगातार तेजी का रुख बनाए रखा है।

एशिया में भारत की सराहना

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 15 वर्षों में वैश्विक उभरते बाजारों की तुलना में, भारत ने पिछले 12 महीनों में सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन किया है। ब्रोकिंग फर्म ने एशिया (जापान को हटाकर) में भारत पर मार्जिनल ओवरवेट रुख भी बनाए रखा है। वुड ने कहा, भारत एशिया में सबसे अच्छी दीर्घकालिक संरचनात्मक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, हालांकि बाजार उच्च मूल्यांकन और भारी इक्विटी आपूर्ति का सामना कर रहा है।

इसी माह पुनर्निर्धारित किया जा सकता है टैरिफ

भारतीय शेयर बाजार एक साल की फॉरवर्ड अर्निंग के 20.2 गुना पर कारोबार कर रहे हैं, जो अक्टूबर 2021 के उच्चतम स्तर 22.4 गुना से कम है। एनालिस्ट वुड ने कहा कि ब्रिक्स देश मुख्य रूप से अमेरिकी प्रशासन की विदेश नीति में एक वैचारिक ढांचे के अभाव के कारण फिर से एकजुट हो रहे हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधियों की 25 से 29 अगस्त के बीच प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है। गौरतलब हो, अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध खराब हो गए हैं। 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू होने की धमकी दी गई है।

व्हाइट हाउस के अधिकारी ने किया बड़ा दावा

चीन और रूस के नजदीक जा रहे भारत को हथियार देना खतरनाक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर भारत पर निशाना साधा है। अब वाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा है कि भारत ने रूस और चीन से करीबी बढ़ा ली है, जिसके कारण उसे

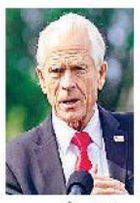

हथियार बेचना जोखिम भरा हो गया है। वहीं, भारत ने साफ किया है कि तेल खरीदने को लेकर उसे अनुचित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि अमेरिका और यूरोपीय संघ भी रूसी सामान के खरीदार हैं।

एक लेख में वाइट हाउस के व्यापारिक मामलों के सलाहकार पीटर नवारो ने लिखा है नई दिल्ली अब रूस और चीन दोनों के करीब जा रहा है। उन्होंने लिखा, अगर भारत एक रणनीतिक साझेदार की तरह हमसे व्यवहार चाहता हैं, तो उसे वैसे काम भी करने चाहिए। इससे पहले कई मौकों पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूसी तेल की खरीदी को लेकर भारत पर निशाना साध चुके हैं। नवारो ने लिखा, भारत रूसी तेल के सबसे बड़े उपयोगकर्ता के रूप में काम कर रहा है।

वह कच्चे तेल को महंगे निर्यात में बदल रहा है और मॉस्को को डॉलर थमा रहा है, जिसे उसकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के करीबी रिश्तों के चलते अमेरिकी सैन्य क्षमताओं को भारत को सौंपना जोखिम भरा है।ट्रंप पहले ही भारत के खिलाफ 25 प्लस 25 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ीं

भारतीय मूल की कृषांगी 21 साल में बन गई ब्रिटेन की सॉलिसिटर

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय मूल की कृषांगी मेश्राम ने ब्रिटेन में इतिहास रचा। लॉ ग्रेजुएट कृषांगी मेश्राम हाल के वर्षों में इंग्लैंड और वेल्स में सबसे कम उम्र की सॉलिसिटर बन गई हैं। उन्होंने ये कमाल केवल 21 साल की उम्र में

कर दिखाया है। बता दें कि सॉलिसिटर ऐसा वकील होता है, जो कानून के कई क्षेत्रों पर एक्सपर्ट कानूनी सलाह देता है। वह अपने क्लाइंट के कानूनी हित का प्रतिनिधित्व करने और बचाव करने के लिए जिम्मेदार होता है। पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ीं कृशांगी मेश्राम वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात में रह रही हैं। मेश्राम ने 15 साल की उम्र में मिल्टन कीन्स में ओपन यूनिवर्सिटी में लॉ की पढ़ाई शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने केवल 18 साल की उम्र में लॉ में फर्स्ट क्लास ऑनर्स की डिग्री हासिल की। कृषांगी मेश्राम ने विश्वविद्यालय को इसका श्रेय दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं ओपन विश्वविद्यालय की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे केवल 15 साल की उम्र में एलएलबी की पढ़ाई शुरू करने का मौका दिया। कृषांगी मेश्राम ने आगे कहा कि अपनी पढ़ाई के दौरान ही मैंने न सिर्फ अपने कानूनी करियर की अकादमिक नींव रखी, बल्कि इसके साथ कानून के प्रति उनका लगाव बढ़ता गया।

लेबनान बोला- हिजबुल्ला हथियार डालेगा

दीर्घकालिक सीजफायर पर बात करेंगे इजराइल और अमेरिका

एजेंसी ▶▶ बेरूत

अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने कहा है कि उनकी टीम इजराइल के साथ लंबी अवधि के लिए संघर्ष विराम पर बातचीत करेगी। यह कदम लेबनान द्वारा हिजबुल्ला को हथियार छोड़ने के अमेरिकी समर्थित योजना को

मंजूरी देने के बाद आया है। बैरक ने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। अमेरिका अब युद्ध के बाद देश की आर्थिक पुनर्निर्माण योजना पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। बैरेक ने कहा कि लेबनानी सरकार ने अपना काम पूरा कर लिया है और अब इजराइल की ओर से भी समान कदम उठाने की आवश्यकता है। इस बीच, हिजबुल्ला और उसके सहयोगी समूह इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि इजराइल को पहले दक्षिण लेबनान में कब्जा किए पांच पहाड़ी क्षेत्रों से पीछे हटना चाहिए और लगातार होने वाली हवाई हमलों को बंद करना चाहिए। हिजबुल्ला के महासचिव नैम कासेम ने हथियार छोड़ने के प्रयासों का विरोध किया है, जिससे देश में गृह संघर्ष का खतरा बढ़ गया है।

राष्ट्रपति औन और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम हिजबुल्ला और अन्य गैर-राज्य सशस्त्र समूहों को हथियार छोड़ने के पक्ष में हैं। उन्होंने इजराइल से हमलों को रोकने और अपने देश से पीछे हटने की मांग की है। औन ने लेबनानी सेना के लिए फंड बढ़ाने की योजना भी बनाई है, ताकि सेना की क्षमता मजबूत हो सके। इसके अलावा, वह अंतरराष्ट्रीय दाताओं से धन जुटाकर देश के पुनर्निर्माण की योजना पर भी काम कर रहे हैं।

भारत वापसी के दौरान इटली पहुंचा था युद्धपोत, तमाल ने दिखाई ताकत

यूरोप में भारत का शक्ति प्रदर्शन, नौसेना के युद्धपोत ने दागे गोले

एजेंसी ▶▶ नेपल्स

भारतीय नौसेना का स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल ने इटली का दौरा पूरा कर लिया है। यह युद्धपोत इटली के नेपल्स में तीन दिनों तक ठहरने के बाद अपनी आगे की यात्रा पर रवाना हुआ है। इस दौरान भारतीय युद्धपोत ने इटली की नौसेना के साथ एक छोटा अभ्यास भी किया। आईएनएस तमल के नेपल्स के बंदरगाह पर डेरा डालने के दौरान भारत और इटली की नौसेना ने आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। इससे तेजी से बढ़ती भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को बल मिला इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी हैं। उनके कार्यकाल में भारत-इटली संबंध मजबूत हुए हैं। भारतीय रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, यह बंदरगाह प्रवास आईएनएस तमाल की भारत वापसी यात्रा का हिस्सा था और इसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से व्यापक नौसैनिक और राजनयिक बैठकें शामिल थीं। बंदरगाह में प्रवेश करने से पहले, आईएनएस तमाल ने इतालवी नौसेना के नव-नियुक्त लैंडिंग हेलीकॉप्टर डॉक (एलएचडी) आईटीएस ट्राइस्टे के साथ एक पैसेज अभ्यास (पासेक्स) में भाग लिया।

पासेक्स में समन्वित नौसैनिक अभियानों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिसमें कम्युनिकेशन अभ्यास, जटिल युद्धाभ्यास, हेलीकॉप्टर उड़ान अभ्यास और समुद्री सवारों का आदान-प्रदान शामिल था, जिसका समापन एक औपचारिक स्टीम पास्ट के साथ हुआ। बंदरगाह प्रवास के दौरान, जहाज के चालक दल ने इतालवी सैन्य और नागरिक अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय चर्चाओं, व्यावसायिक आदान-प्रदानों और उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लिया।

इटली की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल

आईएनएस तमाल के कमांडिंग ऑफिसर ने इतालवी नौसेना के लॉजिस्टिक्स कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल पियरपाओलो बुद्री और नेपल्स की उप महापौर लॉरा लिटो से मुलाकात की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि चर्चा भारत-इटली रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के तहत संयुक्त पहलों पर केंद्रित थी। इस यात्रा के एक प्रमुख आकर्षण के रूप में, आईएनएस तमाल और रोम स्थित भारतीय दूतावास ने जहाज पर एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया, जिसमें इतालवी नौसेना, स्थानीय सरकार, इटली स्थित संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और इतालवी रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आईएनएस तमाल कितना शक्तिशाली

आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना का तलवार क्लास का फ्रिगेट है। यह तलवार क्लास की फ्रिगेट का आठवां जहाज है और भारतीय नौसेना द्वारा ऑर्डर किए गए इस श्रेणी के फ्रिगेट के तीसरे बैच का दूसरा जहाज है। इसे रूस के कलिनिनग्राद में यंतर शिपयार्ड में बनाया गया था। यह रूस में बना भारतीय नौसेना का 51वां नौसैनिक पोत भी है। इस पोत की लंबाई 124.8 मीटर और विस्थापन 3678 टन है।

बॉडीगार्ड ले गए थे 'पूप सूटकेस'

यात्रा के दौरान पुतिन ने मल मूत्र भी अमेरिका में नहीं छोड़ा

एजेंसी ▶▶ पेरिस

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 15 अगस्त 2025 को अलास्का में अहम बैठक हुई थी। अब इस बैठक को लेकर एक अहम खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि पुतिन जब अलास्का में ट्रंप से मिलने आए थे, उस दौरान उनके साथ 'पूप सूटकेस' भी था।

यह सूटकेस किसी दस्तावेज या हथियार को रखने के लिए नहीं था, बल्कि इसमें मानव मल-मूत्र रखा जाता है। फ्रांसीसी पत्रिका दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी राष्ट्रपति के गार्ड उनकी यात्रा के दौरान उनका मल-मूत्र इकट्ठा करते हैं। उसे एक खास बैग में पैक

कर वापस रूस ले जाते हैं। कहा जा रहा है कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके।

फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है। 2017 में फ्रांस यात्रा और वियना दौरे के दौरान भी ऐसा किया गया था। हालांकि क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति ऑफिस) ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,